कोटद्वार, रविवार
28 अप्रैल 2024
वर्ष: 45
अंक: 351 पृष्ठ: 4
मूल्य: 2.00
RNI-35469/79

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

महाराष्ट्र में विपक्ष पर बरसे पीएम मोदी, कहा

याकूब मेमन की कब्र संवारने वालों से क्या उम्मीद करें?

कोल्हापुर , एजेंसी। लोकसभा चुनाव के बीच अलग अलग पार्टियों के स्टार प्रचारक लगातार जनसभाएं कर रहे हैं और विरोधियों पर निशाना साध रहे हैं। इस बीच पीएम मोदी ने एक बार फिर से विपक्ष को आड़े हाथों लिया है। महाराष्ट्र के कोल्हापुर में एक जनसभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि कोल्हापुर महाराष्ट्र का फुटबॉल केंद्र है और अगर मैं फुटबॉल की भाषा में बोलूं तो लोकसभा चुनाव में दूसरे चरण का मतदान खत्म होने के बाद भाजपा 2–0 से आगे हैं।

पीएम मोदी ने इस दौरान शिवसेना पर निशाना साधते हुए कहा कि याकूब मेमन की कब्र को संवारने वाले लोगों से आप महाराष्ट्र के विकास की उम्मीद कैसे कर सकते हैं। पीएम मोदी ने कहा कि जब कांग्रेस को एहसास हो चुका है कि वे एनडीए के विकास के ट्रैक रिकॉर्ड का मुकाबला नहीं कर सकते। इसलिए उन्होंने अपनी रणनीति बदल दी। प्रधानमंत्री ने कहा कि कांग्रेस द्वारा राष्ट्र–विरोधी एजेंडे और तुष्टिकरण का उपयोग किया जा रहा है और अब उनका एजेंडा यह है कि वे कश्मीर में अनुच्छेद 370 बहाल करेंगे।प्रधानमंत्री ने तंज कसते हुए कहा कि विपक्ष ने एक साल, एक पीएम का फॉर्मूला तैयार किया है। अगर विपक्ष को पांच साल का मौका मिला तो उनके पांच अलग–अलग पीएम होंगे। प्रधानमंत्री ने आगे कहा कि कर्नाटक और तमिलनाडु में कांग्रेस और इंडी गठबंधन के नेता दक्षिण भारत को विभाजित कर अलग देश की मांग कर रहे हैं।

खाई में गिरा वाहन, मेडिकल कॉलेज के डॉक्टर की मौत

श्रीनगर गढ़वाल : ऋषिकेश-बदरीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग पर रामपुर के समीप एक वाहन दुर्घटनाग्रस्त होकर नीचे खाई में जा गिरा। जिसमें वाहन चालक की मौत हुई है।

शुक्रवार देर रात कीर्तिनगर में स्थानीय लोगों को वाहन गिरने की आवाज सुनाई दी। जिसके बाद लोग घटनास्थल की तरफ पहुंचे। स्थानीय लोगों ने दुर्घटना की सूचना कीर्तिनगर पुलिस को दी। मौके पर पहुंची एसडीआरएफ और पुलिस की टीम द्वारा डॉक्टर को रेस्क्यू कर खाई से निकालकर घायल को बेस चिकित्सालय श्रीकोट लाया गया। जहां डॉक्टरों ने घायल को मृत घोषित कर दिया। कोतवाली कीर्तिनगर के कोतवाल देवराज शर्मा ने बताया कि कीर्तिनगर स्थित कैलाश होटल के समीप 42 वर्षीय डॉ. विक्टर मसीह पुत्र अजीत मसीह निवासी आवास विकास अंबेडकरपुरम कल्याणपुर कानपुर की दुर्घटना में मौत हुई है। बताया कि वाहन अनियंत्रित होकर सड़क से नीचे गिर गया था। डॉ. विक्टर मसीह वर्तमान में मेडिकल कॉलेज श्रीनगर के ब्लड बैंक में बतौर असिस्टेंट प्रोफेसर कार्यरत थे। उनके निधन पर मेडिकल कॉलेज में शोक की लहर है। (एजेंसी)

सीएम ने वनाधिकारियों के अवकाश पर लगाई रोक

मुख्यमंत्री ने वनाग्नि से प्रभावित क्षेत्रों का हवाई सर्वेक्षण कर लिया स्थिति का जायजा

जयन्त प्रतिनिधि।

देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शनिवार को वन प्रशिक्षण अकादमी सभागार में वनाग्नि को रोकने के लिये किये जा रहे प्रयासों की गहनता से समीक्षा की। उन्होंने वनाग्नि को रोकने के लिये अधिकारियों को हर समय सतर्क रहने के निर्देश दिये है। मुख्यमंत्री ने सख्त निर्देश दिये कि जब तक वनों में लगी आग पूरी तरह नियंत्रित नहीं हो जाती है तब तक वनाधिकारियों के अवकाश पर जाने पर रोक लगायी जाय। केवल गम्भीर बीमारी के मामलों में ही छूट दी जाय।

मुख्यमंत्री ने यह भी निर्देश दिये है कि वनाधिकारी हर समय वनाग्नि से प्रभावित क्षेत्रों में रहकर इसे नियंत्रित करने का प्रयास करें। इस कार्य में लगे अधिकारियों को अनावश्यक रूप से बैठक में प्रतिभाग हेतु देहरादून न बलाये जाने के भी निर्देश मुख्यमंत्री ने दिये है। उन्होंने कहा कि वनाग्नि की रोकथाम के लिए वन विभाग के अलावा अन्य विभाग भी अलर्ट मोड पर रहें।

वनाग्नि की घटनाओं को रोकने के लिए सूचना तंत्र और मजबूत किया जाए। क्विक रिस्पांस टाईम कम से कम किया जाए। वनाग्नि पर प्रभावी रोकथाम के लिए स्थानीय स्तर पर लोगों का सहयोग लिया जाए। उन्होंने कहा कि इस में सेना का भी सहयोग लिया जा रहा है। जो भी लोग वनों में आग लगाये जाने के दोषी पाये जायेंगे उनके विरूद्ध कार्यवाही किये जाने के भी निर्देश उन्होंने दिये है। मुख्यमंत्री ने लीसा डिपो के आस पास बनाग्नि के नियंत्रण पर ध्यान देने को कहा तथा फायर ब्रिगेड को भी एक्टिव करने को कहा। ताकि लीसा डिपो या अन्य संस्थानों को कोई नुकसान न हो। इससे पूर्व मुख्यमंत्री ने वनाग्नि से प्रभावित क्षेत्रों का हवाई सर्वेक्षण कर स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने कहा कि सभी के प्रयासों से वनाग्नि की घटनाएं नियंत्रित हो रही है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने बढ़ते तापमान के दृष्टिगत पेयजल की कमी को दूर करने के भी निर्देश अधिकारियों को दिये। इस अवसर पर विधायक श्रीमती सरिता आर्य, आयुक्त कुमाऊं दीपक रावत, जिलाधिकारी श्रीमती वंदना के साथ ही वन एवं पुलिस विभाग के उच्चाधिकारी एवं अन्य जन प्रतिनिधि आदि उपस्थित थे।

जंगलों में धधकी आग बढ़ा रही चिंता, वायु सेना ने संभाला मोर्चा, वन विभाग की तैयारी पर सवाल!

नैनीताल। प्रदेश में 71 प्रतिशत वन क्षेत्रफल होने के बावजूद वन विभाग संरक्षण को गंभीर नहीं दिखता। जंगलों में धधकी आग तब तक नहीं बुझती, जब तक पूरा जंगल राख नहीं हो जाता। नैनीताल के आसपास लगी आग के बाद भी यही आलम देखने को मिला। गनीमत रही कि वायु सेना ने मोर्चा संभाल लिया और कुछ ही घंटों में आग पर काबू पा लिया गया।सवाल अब यह कि हर वर्ष वनाग्नि जैसी आपदा के लिए आखिरकार वन विभाग सेना की तरह एक्टिव क्यों नहीं रह सकता। आग बुझाने की आधुनिक तकनीक के नाम पर आज भी विभाग के पास झांपे और रेक के अलावा कुछ भी नहीं है। उत्तराखंड में वनाग्नि प्रबंधन के हर वर्ष महज कागजी दावे किए जाते हैं, मगर विभाग के पास इसको लेकर कोई धरातली प्लान नजर नहीं आता।

हर वर्ष हजारों हेक्टेयर जंगल हो रहे राख

नतीजतन हर वर्ष हजारों हेक्टेयर जंगल जलकर राख हो जाता है। सरकार की ओर से जारी किया जाने वाला लाखों का बजट भी खपा दिया जाता है। अप्रैल माह की शुरुआत से ही नैनीताल समेत आसपास के जंगल धधक रहे हैं। विभागीय स्तर पर क्रू स्टेशन निर्माण के साथ ही अतिरिक्त फायर वाचर भी तैनात किए गए हैं। मगर धरातल पर नतीजा शून्य नजर आ रहा है।

वायु सेना ने खुद संभाला मोर्चा

दो दिन से गेठिया क्षेत्र में लगी आग लड़ियाकाटा वायु स्टेशन के करीब तक पहुंची तो वायु सेना को खुद संज्ञान लेना पड़ा। तत्काल वायु सेना के इलाहाबाद कमांड से हेलीकाप्टर भी मौके पर पहुंच गए। शनिवार सुबह से अभियान चलाकर कुछ ही घंटों में हेलीकॉप्टर से पानी का छिड़काव कर किसी तरह आग पर काबू पाया गया। फायर लाइनों पर उगे पेड़, बन रहे बाधा फायर लाइन काटने समेत जंगल फूकान की व्यवस्था थी।

फायर लाइन काटने का कार्य ही पड़ा है बंद

वन पंचायत स्तर पर ग्रामीणों के साथ समन्वय बनाते हुए हर वर्ष फायर लाइन काटी जाती थी। जिससे एक क्षेत्र में लगी आग फायर लाइन के दूसरी ओर नहीं पहुंच पाती थी, मगर बीते कुछ दशकों से फायर लाइन काटने का कार्य ही बंद पड़ा है। नतीजतन, पुरानी फायर लाइन क्षेत्र में अब पेड़ उग आए हैं। तकनीक के नाम पर झांपा व रेक ही सहाराबीते कुछ वर्षों में विभाग की ओर से वनाग्नि रोकथाम के लिए ब्लोअर समेत आग पर नजर रखने के लिए ड्रोन प्रयोग के दावे किए गए थे। पूर्व में हाई कोर्ट ने भी विभाग को आग प्रबंधन के लिए अत्याधुनिक उपकरणों का प्रयोग करने के निर्देश दिए थे।

नेता प्रतिपक्ष ने उठाया बिजली की बढ़ी हुई दरें बैकडेट से लागू किए जाने पर सवाल

देहरादून। नेता विपक्ष यशपाल आर्य ने बिजली की बढ़ी हुई दरें बैकडेट से लागू किए जाने पर सवाल उठाया है। आर्य ने कहा है कि सरकार ने जानबूझकर मतदान के बाद इस तरह का जनविरोधी फैसला लिया है। बिजली दरें बढ़ाए जाने पर प्रतिक्रिया देते हुए नेता विपक्ष ने कहा कि सरकार आम जनता की जेब काटने में लगी हुई है। खजाना पूरी तरह खाली करने के बाद भाजपा सरकार अब इसकी वसूली जनता से करना चाहती है। आर्य ने कहा कि बिजली की कीमतों में बढ़ोत्तरी का असर राज्य के लाखों उपभोक्ताओं पर होगा। इतना ही नहीं सरकार ने फिक्स चार्ज को भी बढ़ाया है। यानी उपभोक्ताओं पर दोहरी मार पड़ी है। उन्होंने कहा कि जब बिजली की दरें एक अप्रैल से लागू की गई हैं तो इसकी घोषणा तब क्यों नही की गई। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड दूसरे राज्यों को सस्ते दामों पर बिजली उपलब्ध करा रहा है, लेकिन अपने ही राज्य में उपभोक्ताओं को महंगी बिजली दी जा रही है। माहरा ने सीएम को लिखा पत्रः कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष करन माहरा ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर बिजली बढ़ोत्तरी वापस लेने की मांग की है। माहरा ने कहा है कि मतदान समाप्त होने के तत्काल बाद इस तरह का फैसला जनता के साथ धोखा है। उन्होंने कहा कि विद्युत उत्पादक राज्य होने के बावजूद उत्तराखंड में बिजली की दरें कई अन्य राज्यों से ज्यादा हैं।

केदारनाथ में हल्की बर्फबारी

रुद्रप्रयाग : जनपद के सभी क्षेत्रों में शनिवार को मौसम अचानक बदल गया और केदारनाथ में हल्की बर्फबारी हुई।

जबकि निचले इलाकों में आसमान में बादल छाए रहे, साथ ही हल्की हवाएं भी चलती रही। हालांकि लोग जंगलों की आग बुझाने और पानी के संकट को देखते हुए बारिश का इंतजार कर रहे हैं।

शनिवार को मुख्यालय सहित जनपद के सभी कस्बों में सुबह से ही आसमान में बादल छाए रहे। लोग बारिश का इंतजार कर रहे हैं ताकि पानी के संकट से राहत मिल सके। साथ ही जंगलों में लगी रही आग से भी छुटकारा मिल सके किंतु दोपहर तक मौसम बदला ही रहा। (एजेंसी)

एक नजर

ईवीएम पर सवाल उठाने वाले वही लोग हैं जो कभी बैलेट लूटा करते थे : सीएम योगी

लखनऊ ,एजेंसी । उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ईवीएम पर सवाल उठाने पर कांग्रेस ओर इंडी गठबंधन पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा है कि ये वही लोग हैं जो बैलेट लूटने का काम करते थे। लोकसभा चुनाव में पुख्ता हार को देख कांग्रेस के लोग ईवीएम पर दोषारोपण कर रहे हैं। मुख्यमंत्री योगी शनिवार को मीडिया से बातचीत कर रहे थे।

उन्होंने गोमांस मुद्दे पर भी कांग्रेस और इंडी गठबंधन को निशाने पर लिया। सीएम योगी ने पूछा कि वो अपने घोषणापत्र में लिख रहे हैं अल्पसंख्यकों को उनकी पसंद के खान–पान का अधिकार दिया जाएगा। आखिर अल्पसंख्यकों का ऐसा कौन सा खान–पान है जो शेष समुदाय से अलग है। मुख्यमंत्री ने इस मुद्दे पर इंडी गठबंधन के अन्य सहयोगियों की चुप्पी पर भी सवाल उठाए। मुख्यमंत्री ने ईवीएम मुद्दे पर कहा है कि इंडी गठबंधन जब भी हार रहा होता है, तो अपनी हार का ठीकरा ईवीएम पर डालने का प्रयास करता है।

हेमंत सोरेन को झटका : नहीं मिली चाचा के अंतिम संस्कार में जाने की इजाजत

रांची ,एजेंसी । झारखंड में जमीन घोटाला मामले में आरोपित पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की ओर से अपने चाचा के अंतिम संस्कार और क्रिया कर्म में शामिल होने के लिए दाखिल अंतरिम जमानत याचिका पर आज सुनवाई हुई। ईडी के विशेष न्यायाधीश राजीव रंजन की अदालत ने श्री सोरेन को अपने चाचा के अंतिम संस्कार में शामिल होने की अनुमति नहीं दी। याचिका में उन्होंने कोर्ट से यह आग्रह किया था कि उन्हें अपने चाचा के अंतिम संस्कार में शामिल होने की अनुमति दी जाये। इसके साथ ही उन्होंने कोर्ट से 13 दिनों की अंतरिम जमानत मांगी थी। लेकिन अदालत ने सुनवाई के बाद उन्हें अंतरिम जमानत नहीं दी।कोर्ट के आदेश के बाद अब हेमंत सोरेन अपने चाचा की अंतिम संस्कार में शामिल नहीं हो पाएंगे। उल्लेखनीय है कि शनिवार की सुबह झामुमो सुप्रीमो शिबू सोरेन के बड़े भाई राजा राम सोरेन का निधन हो गया है।

बाहुबली धनंजय सिंह को झटका

जमानत मंजूर लेकिन सजा पर रोक से कोर्ट ने किया इन्कार

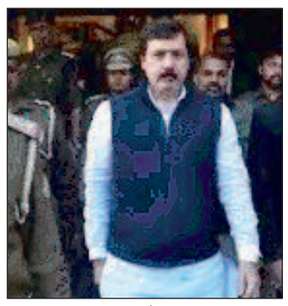

प्रयागराज ,एजेंसी । पूर्व सांसद और बाहुबली धनंजय सिंह की इलाहाबाद हाईकोर्ट से जमानत मंजूर हो गई है। लेकिन उनकी सजा पर रोक से कोर्ट ने इनकार कर दिया है। इस वजह से वो लोकसभा का चुनाव नहीं लड़ पाएंगे। शनिवार को हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति संजय कुमार सिंह की सिंगल बेंच ने यह फैसला सुनाया। जौनपुर की एमपी–एमएलए स्पेशल कोर्ट ने नमामि गंगे प्रोजेक्ट मैनेजर के अपहरण में पूर्व सांसद व एक अन्य को सात साल की सजा सुनाई है। इस फैसले के खिलाफ दायर आपराधिक पुनरीक्षण अपील में सजा निरस्त करने की मांग की गई है।

पूर्व सांसद और बाहुबली धनंजय सिंह को शनिवार सुबह आठ बजे जौनपुर जिला कारागार से बरेली जेल शिफ्ट किया गया। पुलिस के मुताबिक शासन के आदेश पर उन्हें शिफ्ट किया गया है। धनंजय बीते छह मार्च से जौनपुर के जिला कारागार में बंद थे। एंबुलेंस में बैठते धनंजय सिंह का वीडियो सामने आया है। इसमें कुछ लोग उनसे पूछ रहे हैं कि कुछ कहना है? वह कोई जवाब नहीं देते हैं। धनंजय सिंह के वकील ने कहा कि राजनीतिक द्वेष के कारण उन्हें झूठा फंसाया गया है। जो तीन गवाह हैं, उनमें दो सरकारी कर्मचारी और एक प्रोजेक्ट का कर्मचारी है। जो आपराधिक इतिहास बताया गया है, उनमें अधिकतर मुकदमे राजनीतिक कारणों से कराए गए हैं। ज्ञात हो कि धनंजय को इंजीनियर अभिनव सिंघल के अपहरण–रंगदारी मामले में एमपी एमएलए कोर्ट ने 6 मार्च को 7 साल की सजा सुनाई थी।

आतंकी कसाब को फांसी दिलाने वाले वकील उज्ज्वल को भाजपा ने बनाया प्रत्याशी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी की केंद्रीय चुनाव समिति ने अपनी एक और लिस्ट जारी कर दी है। 2024 के लोकसभा चुनाव के लिए भाजपा ने महाराष्ट्र के उत्तर मध्य मुंबई सीट से उज्ज्वल देवराव निकम को अपना उम्मीदवार बनाया है। उज्ज्वल देवराव निकम 26/11 मुंबई आतंकवादी हमले के मामले में विशेष लोक अभियोजक हैं। इस सीट से भाजपा की पूनम महाजन मौजूदा सांसद हैं। वह दो बार की सांसद हैं। पूनम महाजन भाजपा के दिग्गज नेता रहे दिवंगत प्रमोद महाजन की बेटी हैं।

वर्षा गायकवाड़ से होगा मुकाबला

उज्ज्वल निकम 1993 के मुंबई सिलसिलेवार विस्फोटों और 26/11 हमलों के बाद पकड़े गए एकमात्र आतंकवादी अजमल कसाब के मुकदमे जैसे कई हाई प्रोफाइल मामलों में विशेष लोक अभियोजक रहे हैं। उनका मुकाबला कांग्रेस की मुंबई इकाई प्रमुख और धारावी से विधायक वर्षा गायकवाड़ से होगा।

उत्तराखंड में नगर निकाय चुनाव की तैयारी

देहरादून। लोकसभा चुनाव का परिणाम घोषित होने के बाद उत्तराखंड में नगर निकायों के चुनाव की तैयारी है। हाईकोर्ट में दिए गए 30 जून तक चुनाव संपन्न कराने के शपथ पत्र की भावना के अनुरूप शासन इसकी तैयारियों में जुट गया है। इस कड़ी में निकायों में ओबीसी (अदर बैकवर्ड क्लास) के लिए आरक्षण की सीमा 14 प्रतिशत के स्थान पर वास्तविक संख्या के आधार पर करने समेत अन्य बिंदुओं को लेकर नगर निकाय अधिनियम में संशोधन के दृष्टिगत वित्त, कार्मिक व न्याय विभाग से परामर्श मांगा गया है। इसके बाद चुनाव आयोग से अनुमति मिलने पर अध्यादेश के जरिये सरकार अधिनियम में संशोधन कर सकती है और इसी आधार पर निकाय चुनाव होंगे।

15 मई से पहले जारी हो सकती है अधिसूचना

जैसे संकेत मिल रहे हैं, उससे साफ है कि 15 मई से पहले 99 नगर निकायों में चुनाव के लिए अधिसूचना जारी हो सकती है। राज्य में वर्तमान में 102 नगर निकाय कार्यरूप में परिणत हैं, जिनमें से तीन में चुनाव नहीं होते। नए बने आठ अन्य नगर निकायों के चुनाव बाद में कराए जाएंगे। राज्य में नगर निकायों का पांच वर्ष का कार्यकाल पिछले वर्ष दो दिसंबर को समाप्त होने के बाद जब चुनाव की स्थिति नहीं बनी तो इन्हें प्रशासकों के हवाले कर दिया गया।

निकाय अधिनियम के अनुसार प्रशासकों का कार्यकाल छह माह से अधिक नहीं हो सकता। यह अवधि दो जून को खत्म हो रही है। इस बीच निकाय चुनाव में विलंब को लेकर हाईकोर्ट में भी एक मामला चल रहा है। सरकार की ओर से कोर्ट में शपथ पत्र दिया गया है कि 30 जून तक निकाय चुनाव संपन्न करा लिए जाएंगे। यद्यपि, वर्तमान में लोकसभा चुनाव की आदर्श चुनाव आचार संहिता भी लागू है।

यहां फंस रहा है पेंच

ऐसे में पेंच फंसा कि यदि नगर निकाय चुनाव होते हैं तो राज्य में दो चुनावों की आदर्श चुनाव आचार संहिता लागू नहीं हो सकती। अब जबकि राज्य में पहले चरण में लोकसभा चुनाव के लिए मतदान हो चुका है और चार जून को परिणाम आने हैं, तो ऐसे में कुछ ढील मिल सकती हे। सूत्रों के अनुसार इसी आधार पर शासन की ओर से हाईकोर्ट में शपथ पत्र दिया गया। इस सबको देखते हुए शासन अब निकाय चुनाव की कसरत में जुट गया है।

ओबीसी आरक्षण का नए सिरे से होगा निर्धारण

महत्वपूर्ण ये है कि इस बार नगर निकायों में ओबीसी आरक्षण का नए सिरे से निर्धारण होना है। इस सिलसिले में राज्य में गठित एकल समर्पित वर्मा आयोग अपनी रिपोर्ट शासन को सौंप चुका है। इसके अनुसार राज्य में नगर निकायों में अभी तक निर्धारित ओबीसी आरक्षण की 14 प्रतिशत की सीमा को निकायों की वास्तविक ओबीसी आबादी के हिसाब से तय किया जाना है।

पीएम पर कांग्रेस का पलटवार हम नहीं भाजपा खत्म करना चाहती है एससी–एसटी–ओबीसी आरक्षण

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव प्रखर अभियान में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बयानों का खंडन करने में पूरा जोर लगा रही कांग्रेस ने अब भाजपा पर पलटवार करते हुए आरोप लगाया है कि केंद्र की सत्ताधारी पार्टी एससी–एसटी और ओबीसी आरक्षण के खिलाफ ही नहीं है बल्कि इसे खत्म भी करना चाहती है।

कांग्रेस पर एससी–एसटी–ओबीसी आरक्षण खत्म करने के लगाए पीएम के आरोपों को 'झूठा प्रचार' करार देते हुए पार्टी के संचार महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि सच्चाई यह है कि इन वर्गों के लिए आरक्षण का प्रावधान कांग्रेस ने किया है।

जयराम ने दावा किया कि भाजपा और पीएम मोदी चुनाव में चार सौ सीटें की बात इसलिए कर रहे कि ताकि संविधान बदलने के साथ एससी–एसटी व ओबीसी आरक्षण को वे खत्म कर सकें।

प्रधानमंत्री बार–बार गलत प्रचार कर रहे हैं– कांग्रेस

कांग्रेस पर कोटा छीनने के लगाए पीएम मोदी के आरोपों पर बयान जारी करते हुए जयराम रमेश ने कहा कि प्रधानमंत्री बार–बार गलत प्रचार कर रहे हैं कि हम एससी–एसटी व ओबीसी के आरक्षण के खिलाफ है और इसे छीनना चाहती है। पीएम का यह बयान बिल्कुल गलत है और सच्चाई यह है कि 1950 के बाद से शिक्षा और रोजगार में आरक्षण तब संभव हुआ है जब केंद्र में कांग्रेस की सरकारें और प्रधानमंत्री रहे।

आरक्षण के लिए संविधान में प्रावधान कांग्रेस ने किया

अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति आरक्षण के लिए संविधान में प्रावधान बाबा साहब अंबेडकर, जवाहरलाल नेहरू, सरदार वल्लभ भाई पटेल सरीखे कांग्रेस नेताओं की अहम भूमिका थी और इसमें कांग्रेस का योगदान था।

केंद्र की नौकरियों में ओबीसी के लिए 27 प्रतिशत आरक्षण दिया

जयराम ने कहा कि इसी तरह 1994 में जब पीवी नरसिम्हा राव प्रधानमंत्री थे, तब पहली बार केंद्र सरकार की नौकरियों में ओबीसी के लिए 27 प्रतिशत आरक्षण दिया गया। जबकि 2006 में कांग्रेस–यूपीए सरकार का नेतृत्व कर रहे प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के कार्यकाल में उच्च शिक्षण संस्थाओं में ओबीसी के लिए 27 प्रतिशत आरक्षण दिया गया।

सुनीता केजरीवाल ने किया रोड शो, बोलीं– इस देश को बचा लीजिए, तानाशाही के खिलाफ वोट करें

दिल्ली, एजेंसी। लोकसभा चुनाव को लेकर राजनेता प्रचार के लिए मैदान में उतरे हुए हैं। दिल्ली में भी प्रचार जोरों पर है। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल ने पूर्वी दिल्ली में मेगा रोड शो निकाला। जिसके बाद उनकी राजनीति में एंट्री हो गई है। यह उनका पहला रोड शो है।

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल ने पूर्वी दिल्ली से आप के लोकसभा उम्मीदवार कुलदीप कुमार के समर्थन में कोंडली इलाके में रोड शो किया। मिली जानकारी के मुताबिक, कोंडली इलाके में रोड शो से पहले आई लव केजरीवाल और जेल का जवाब वोट से के पोस्टर लगाए गए हैं।

सुनीता केजरीवाल ने रोड शो के दौरान कहा कि ये देश तानाशाही की ओर जा रहा है। इस देश को बचा लीजिए। 25 मई को वोटिंग का दिन है। आप लोग वोट

देने जाएंगे। उस दिन तानाशाही के खिलाफ वोट दें। जय हिंद.. उन्होंने जेल का जवाब वोट से का नारा भी लगाया।

मंत्री आतिशी ने शुक्रवार को प्रेसवार्ता में बताया कि वे पहली बार आप के चुनावी कार्यक्रम का नेतृत्व कर रही हैं। अभी तक ऐसे कार्यक्रम के प्रमुख मुख्यमंत्री केजरीवाल हुआ करते थे। उनके जेल जाने के बाद इस कमी को दूर करने के लिए सुनीता चुनावी मैदान में हैं।

सुनीता केजरीवाल के रोड शो से पहले दिल्ली मंत्री गोपाल राय ने कहा कि आज से शुरुआत हो रही है। हम लोग रोड शो के जरिए दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल का मैसेज जनता तक पहुंचाएंगे।

जलवायु परिवर्तन की वजह से विभिन्न क्षेत्रों में महंगाई बढ़ने की आशंका

सुभाष गुप्ता

जलवायु परिवर्तन का असर अब दुनिया भर की अर्थव्यवस्थाओं पर नजर आने लगा है। खासकर कृषि क्षेत्र इससे बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। मौसम का मिजाज बदलने से फसलें चौपट हो रही हैं, जिसका सीधा असर खाद्यान्न की कीमतों पर पड़ रहा है। अब भारतीय रिजर्व बैंक ने भी माना है कि प्रतिकूल मौसम की वजह से महंगाई बढ़ सकती है।यह निस्संदेह रिजर्व बैंक के लिए भी बड़ी चिंता का विषय है। वह महंगाई को चार फीसद के नीचे रखना चाहता है। इसलिए मार्च में जब खुदरा महंगाई 4.9 फीसद दर्ज हुई तो कुछ उत्साह देखा गया था। तब रिजर्व बैंक ने दावा किया था कि वह जल्दी ही महंगाई पर काबू पा लेगा। मगर अब मौसम का रुख देखते हुए उसे लगने लगा है कि यह काम आसान नहीं होगा।अभी जब गेहूं की फसल कट कर खलिहान में पहुंची है, तो देश के अनेक इलाकों में मूसलाधार बारिश ने उसे भिगो दिया। बहुत सारा अनाज गोदाम में पहुंचने से पहले ही भीग गया। इस तरह बहुत सारा अनाज सड़ कर बर्बाद हो जाएगा। यह अब जैसे हर वर्ष का सिलसिला हो गया है। बेमौसम बारिश हजारों टन अनाज बर्बाद कर डालती है।25,000 करोड़ रुपये के बैंक घोटाले में अजित पवार की पत्नी सुनेत्रा को क्लीन चिट, कभी पीएम मोदी ने बताया था भ्रष्ट परिवारखुदरा महंगाई में सबसे अधिक चिंता खाने-पीने की वस्तुओं की कीमतों को लेकर है। रोजमर्रा इस्तेमाल होने वाले अनाज और सब्जियों की कीमतें सामान्य आयवर्ग की पहुंच से दूर होती जा रही हैं। इसकी एक वजह ईंधन की कीमतों में बढ़ोतरी भी है, जिससे ढुलाई पर खर्च बढ़ गया है। अभी जिस तरह की वैश्विक स्थितियां हैं उसमें आपूर्ति श्रृंखला गड़बड़ होने से कच्चे तेल की कीमतें अनिश्चित बनी हुई हैं। इससे भी रिजर्व बैंक की महंगाई को लेकर चिंता बनी हुई है। पहले रूस-यूक्रेन संघर्ष के चलते दुनिया भर में मुश्किलें पैदा हुई थीं, अब इजराइल-फिलिस्तीन संघर्ष में ईरान के कूद पड़ने और उस पर अमेरिका की सख्त व्यापारिक पाबंदियों से संकट और गहरा हो गया है। भारत चूंकि कच्चे तेल के लिए दूसरे देशों पर निर्भर है, ऐसी स्थिति में उसे तेल की कीमतें नीचे ला पाना कठिन होगा। मगर मौसम की मार से पार पाने का कोई रास्ता किसी के पास नजर नहीं आता। सर्दी, गर्मी, बरसात की अवधि असंतुलित हो गई है। एक ही वक्त में कहीं तेज बारिश और बाढ़ की वजह से फसलें चौपट हो जाती हैं, तो कहीं सूखे की वजह से। सर्दी की अवधि सिकुड़ने के चलते खासकर गेहूं की फसल पर बुरा असर पड़ रहा है। गर्मी का मौसम जल्दी शुरू हो जाने से गेहूं का उत्पादन कम हो रहा है। हमारे कृषि क्षेत्र का बड़ा हिस्सा आज भी मानसून पर निर्भर है। बहुत सारे इलाकों में सिंचाई के संसाधन उपलब्ध नहीं हैं। जिस वर्ष उन इलाकों में बारिश कम होती है या नहीं होती, उस वर्ष वहां उत्पादन खासा नीचे चला जाता है। अभी तक का आकलन है कि मौसम का मिजाज गड़बड़ होने से सकल घरेलू उत्पाद में करीब डेढ़ फीसद तक का नुकसान उठाना पड़ रहा है। जैसी कि जलवायु परिवर्तन की वजह से विभिन्न क्षेत्रों पर बुरा असर पड़ने की आशंकाएं जताई जा रही हैं, कृषि क्षेत्र उनमें सबसे अधिक प्रभावित होगा। ऐसे में महंगाई पर काबू पाना रिजर्व बैंक के लिए आसान नहीं होगा। बेरोजगारी बढ़ने और प्रतिव्यक्ति आय कम होने से महंगाई की मार ज्यादा गहरी पड़ रही है। इससे निपटने के लिए रिजर्व बैंक को वैकल्पिक व्यवस्था बनानी पड़ेगी।

प्रचार के लिए स्वतंत्र

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का अलीगढ़ में भाषण बांसवाड़ा का विस्तार है। ये दोनों भाषण एक दिन के अंतराल पर हैं। दोनों की पिच एक है। कांग्रेस पर हमले के बहाने, बहुसंख्यकों में उसके शासन का डर बैठाना। यह कहना कि ह्यउनकी गाढ़ी कमाई से अर्जित संपत्तियां, यहां तक कि ह्यस्त्रीधन कहे जाने वाले महिलाओं गहने-मंगलसूत्र-तक माओवादी की तरह छीन लिये जाएंगे। राष्ट्रीय संसाधन पर अल्पसंख्यकों, वे जो घुसपैठिए हैं, वे जिनके ज्यादा बच्चेह्न हैं, का पहला हक होने की वकालत की याद दिला कर बहुसंख्यकों में उनके प्रति हिकारत पैदा कराना। प्रधानमंत्री अपने पक्ष में प्रचार के लिए स्वतंत्र हैं। पर वे कांग्रेसी मैनिफेस्टो या 2006 में तात्कालिक प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के भाषण को तोड़-मरोड़ कर पेश करने के लिए नहीं। वे भूल जाते हैं कि ऐसे भाषण विभाजनकारी कोटि में आते हैं। चुनाव में होने के बावजूद एक प्रधानमंत्री के रूप में इसकी उन्हें इजाजत नहीं है। कांग्रेस चुनाव आयोग से मिल कर उनके एवं पार्टी के विरुद्ध 17 शिकायतें की हैं। प्रधानमंत्री के भाषण से लगता है, कांग्रेस जैसे सत्ता में आ रही है। ऐसा पहले चरण के मतदान में गिरावट से उन्हें लगा है। हालांकि कम वोट भाजपा का निरस्तीकरण नहीं है। पर यह आरएसएस कार्यकर्ताओं के अनुत्साह को दर्शाता है। दूसरी बात, कांग्रेस ने अपने मैनिफेस्टो में मोदी-राज में बढ़ी आर्थिक विषमताओं के आलोक में एक आयोग बैठाने की बात की है। सरप्लस भूमि-वितरण की बात की है। इसमें गलत क्या है? स्वयं प्रधानमंत्री एवं उनकी पार्टी और अन्य सारे दल इस तरह के कार्यक्रमों के साथ आने का वादा करते हैं। मनमोहन सिंह ने ह्यदेश के आर्थिक संसाधनों को हाशिए पर पड़े तमाम समुदायों को देनेह्न की बात कही थी। यह प्रधानमंत्री भी जानते हैं कि देश के मुसलमान ह्यघुसपैठिएह्न नहीं हैं। वे भी अन्य के जैसे देश के नागरिक हैं, राष्ट्रवादी हैं। उनकी जनसांख्यिकी दर हिन्दू जितनी है। बेशक, लोगों के कल्याण और उनकी पहचान को जोडने पर राजनीतिक और चुनावी बहस हो सकती है, लेकिन मोदी के भाषण इस पर व्यापक संदेश भेजने के उनके स्वयं के प्रयासों के विरुद्ध हैं, जो लाभार्थियों में जाति-समुदाय के आधार पर भेदभाव नहीं करता। वे खुद भारत की विविधता एक ह्यबहुरत्नधारी वसुंधराह्न मानते हैं, लेकिन पूरे समुदाय को एक विरोधी के रूप में पेश करके, प्रधानमंत्री उस बहस को व्यापक करने की संभावनाओं को सिकोड़ देते हैं।

हर फिक्र को धुएं में उड़ाता

रजनीश कपूर

आज जानते हैं कि ऐसा क्या है, इस चंद लम्हे की मामूली सी खुशी में, जो लाखों करोड़ों को इसकी लत लगा देती है। दरअसल, सिगरेट में मौजूद तंबाकू में निकोटीन पाया जाता है जो कश लेते ही बड़ी तेजी से आपके फेफड़े में समा जाता है और कुछ ही क्षण में दिमाग तक पहुंच जाता है। दिमाग में पहुंचते ही इसका संपर्क नर्व सेल से होता है और इसके असर से डोपामाइन नाम का रसायन बाहर आता है। यह रसायन आपके दिमाग को संकेत देता है कि कुछ अच्छा करने से आपको इनाम मिल सकता है। विशेषज्ञों की मानें तो, यह रसायन आपको ऐसा इशारा देता है कि आप एक बार दोबारा सिगरेट का कश भर लेते हैं। एक शोध के अनुसार सिगरेट की लत से प्रभावित लोगों, जिन्हें गले का कैंसर हुआ था, की गले की नली को काट कर अलग करना पड़ा। उपचार के बाद भी इस लत ने उनका पीछा नहीं छोड़ा और वे दोबारा धूम्रपान करने को मजबूर थे। विशेषज्ञों के अनुसार दिमाग के जिस हिस्से को एनिमल पार्ट कहा जाता है, उससे ही निकोटीन की लत पर काबू पाया जा सकता है।

साल 1961 की बहुचर्चित फिल्म हम दोनों का गाना हर फिक्र को धुएं में उड़ाता सबने सुना होगा। धूम्रपान करने वालों ने भी इसे अवश्य सुना होगा।

फिल्म में गाने के बोल इस तरह दर्शाए गए कि फिल्म का हीरो अपने सभी फिक्र और चिंताओं को धुएं के कश में उड़ा देता है और चिंता मुक्त हो जाता है, परंतु क्या यह सही है कि मात्र सिगरेट के कश भरने और धुआं उड़ाने से आपकी चिंताएं खत्म हो जाएंगी? इसका उत्तर है नहीं। बल्कि यदि आपको धूम्रपान की लत लग जाए तो आपकी स्वास्थ्य संबंधी चिंताएं बढ़ जरूर जाएंगी।

आज जानते हैं कि ऐसा क्या है, इस चंद लम्हे की मामूली सी खुशी में, जो लाखों करोड़ों को इसकी लत लगा देती है। दरअसल, सिगरेट में मौजूद तंबाकू में निकोटीन पाया जाता है जो कश लेते ही बड़ी तेजी से आपके फेफड़े में समा जाता है और कुछ ही क्षण में दिमाग तक पहुंच जाता है।

दिमाग में पहुंचते ही इसका संपर्क ह्यनर्व सेलह्न से होता है और इसके असर से डोपामाइन नाम का रसायन बाहर आता है। यह रसायन आपके दिमाग को संकेत देता है कि कुछ अच्छा करने से आपको इनाम मिल सकता है। विशेषज्ञों की मानें तो, यह रसायन आपको ऐसा इशारा देता है कि आप एक बार दोबारा सिगरेट का कश भर लेते हैं। एक शोध के अनुसार सिगरेट की लत से प्रभावित लोगों, जिन्हें गले का कैंसर हुआ था, की गले की नली को काट कर अलग करना पड़ा। उपचार के बाद भी इस लत ने उनका पीछा नहीं छोड़ा और वे दोबारा धूम्रपान करने को मजबूर थे। विशेषज्ञों के अनुसार दिमाग के जिस हिस्से को एनिमल पार्ट कहा जाता है, उससे ही निकोटीन की लत पर काबू पाया जा सकता है। नशीले पदार्थ हमारे दिमाग के ह्यएनिमल पार्टह्न को इस कदर उकसाते हैं कि वो ऐसे संदेश भेजता है कि हम ऐसा बार-बार करें। वहीं दिमाग का दूसरा हिस्सा हमें ऐसा करने से रोकता भी है। नशे की लत की गिरफ्त में लोग अक्सर इस संघर्ष से जूझते रहते हैं।

इस लत का इस बात से कोई लेना-देना नहीं है कि आप कितने समझदार हैं, बल्कि आपका दिमाग निकोटीन या अन्य नशीले पदाथरे पर किस तरह प्रतिक्रिया देता है। यदि समय रहते और सही संगति के चलते नशा या धूम्रपान रोक दिया जाए तो बेहतर हो परंतु ऐसा बहुत कम होता है। सिगरेट की लत के लिए केवल निकोटीन ही जिम्मेदार नहीं होती। इसके लिए एक प्रमुख भूमिका सिगरेट बनाने वाली कंपनियों और उनके द्वारा जारी किए भ्रामक विज्ञापन भी उतने ही जिम्मेदार हैं। पश्चिमी देशों में जैसे ही निकोटीन की लत को लेकर सवाल उठने लगे तो कुछ लोगों ने इसकी जड़ तक जाने की सोची।

उन्होंने वैज्ञानिक तरीकों से साबित कर दिया कि सिगरेट के धुएं में कुछ भी लाभदायक नहीं होता। इतना ही नहीं, यह न केवल धूम्रपान करने वाले, बल्कि उसके आस-पास के लोगों के लिए भी काफी हानिकारक साबित हो सकता है। जैसे-जैसे यह अभियान तेजी पकडने लगा, धूम्रपान पर सार्वजनिक जगहों पर प्रतिबंध भी लगने लगा। सिगरेट पर अतिरिक्त और बढ़े हुए कर भी लगाए जाने लगे जिससे इसकी कीमत में भी बढ़ोतरी हुई। साथ ही, सिगरेट के डब्बों पर भी स्वास्थ्य संबंधित चेतावनियां भी छापी जाने लगीं परंतु इन सबके चलते भी पश्चिमी देशों की बड़ी-बड़ी सिगरेट कंपनियों ने हार नहीं मानी। ज्यादा मुनाफा कमाने की नीयत से इन कंपनियों ने विकासशील देशों और उन देशों का रुख करना शुरू कर दिया जहां नियम और कानून सख्त नहीं थे।

इन देशों में आम नागरिक धीरे-धीरे इन कंपनियों की मार्केटिंग के मायाजाल में बड़ी आसानी से फंस गए। देखते ही देखते इन कंपनियों की फिर से चांदी होने लगी। सोचने वाली बात यह है कि लोग धूम्रपान के आदी कैसे बन जाते हैं? कुछ लोग सिगरेट पीने को स्टेटस सिंबल या सामाजिक स्थिति का संकेतक मानते हैं। समझते हैं कि धूम्रपान करना ऐसी आदत है जो किसी विशेष वर्ग में आपको बड़ी आसानी से स्थान देती है, परंतु इस स्थान पाने की होड़ में आप अपनी सेहत से खिलवाड़ कर लेते हैं।

इस लत के चलते न सिर्फ आप अपनी सेहत से खिलवाड़ कर रहे हैं, परंतु अपने घरेलू बजट का भी नुकसान कर रहे हैं। ज्यों-ज्यों आपकी यह लत बढ़ती जाएगी आपकी जेब पर भार भी बढ़ेगा।

धूम्रपान करने से मिलने वाला आंशिक सुकून बड़ी मात्रा में आपके स्वास्थ्य पर असर करता है, और यह जानलेवा भी साबित हो सकता है। इसलिए आप जब भी धूम्रपान करते किसी व्यक्ति को देखें या स्वयं अगला कश लगाने लगें तो यह सवाल अवश्य पूछें कि क्या वास्तव में धूम्रपान करने से फिक्र धुएं में उड़ रहे हैं? कहीं ऐसा तो नहीं फिक्र उडने की बजाय और बढ़ रहे हों?

जम्मू-कश्मीर में लक्षित हत्याओं की नई रणनीति के तहत लोगों के बीच आतंक फैलाने की कोशिश

सलीम जोह

पिछले कुछ समय से जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा बलों की बढ़ती सख्ती के बीच आतंकियों पर शिकंजा कसा है। इसकी वजह से आतंकवादियों के बीच हताशा की स्थिति साफ देखी जा सकती है। शायद यही वजह है कि अब आतंकियों ने पहचान तय करके किसी साधारण व्यक्ति को मार डालने की नई रणनीति पर काम करना शुरू कर दिया है, ताकि सबका ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया जा सके।

मगर उनकी ऐसी बर्बरता और अपनी मंशा को पूरा करने के लिए मानवीयता के खिलाफ हर हद को पार करने की हरकतों से उनकी हकीकत का पता चलता है। वरना क्या कारण है कि वहां अन्य राज्य से आकर कोई छोटा-मोटा काम करके गुजारा करने वाले गरीब लोगों या मजदूरों को भी मार डालने में उन्हें कोई हिचक नहीं होती। हालांकि आतंकवाद की जिस दृष्टि के साथ वे काम करते हैं, उसमें उनकी इस तरह की अमानवीय हरकतों पर हैरानी नहीं होती गौरतलब है कि जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग जिले में आतंकवादियों ने एक बार फिर लक्षित हत्या की घटना को अंजाम दिया। बुधवार को बिजबेहरा इलाके के जबलीपोरा में आतंकियों ने एक मजदूर को नजदीक से गोली मार दी। मारा गया व्यक्ति बिहार से वहां जाकर मजदूरी और अन्य काम करता था। केवल इस वर्ष निशाना बना कर किसी व्यक्ति को मार डालने की यह तीसरी घटना है। पिछले कुछ समय से सुरक्षा बलों की बढ़ती सख्ती के बीच हताश आतंकियों ने अब राज्य के बाहर से आकर गुजारा करने वाले लोगों की हत्या करना शुरू कर दिया है। इससे पता चलता है कि उनका मकसद राजनीतिक नहीं है, बल्कि हिंसा और निदोष या मासूम लोगों की हत्या के जरिए आतंक फैलाना ही उनकी राजनीति है।दरअसल, यह वारदात जिस अनंतनाग लोकसभा क्षेत्र में हुई, वहां सात मई को तीसरे चरण के तहत मतदान होना है और उम्मीद की जा रही है कि वहां लोग अपने मताधिकार का खुल कर प्रयोग करेंगे। जाहिर है, बिहार से जम्मू-कश्मीर जाकर मजदूरी करने वाले व्यक्ति की हत्या दरअसल स्थानीय लोगों के बीच भी दहशत फैलाने की कोशिश है, ताकि लोगों को लोकतांत्रिक प्रक्रिया में हिस्सा लेने से रोका जा सके।समस्या यह है कि आए दिन सरकार आतंकवाद का सामना करने और उसका खात्मा करने के लिए हर स्तर पर सख्ती बरतने और आतंकियों का असर कम होने का दावा करती है। निश्चित रूप से आतंकियों पर नकेल कसने में मदद मिली है। आतंकवादी संगठनों को अब पहले के मुकाबले स्थानीय लोगों का संरक्षण भी नहीं मिल पा रहा है।ऐसी हत्याओं से सुरक्षा व्यवस्था के चौकस होने के सरकार के दावों पर भी सवाल उठते हैं। लक्षित हत्याओं की नई रणनीति से आए दिन बाहरी या फिर स्थानीय लोगों को जिस तरह पहचान कर निशाना बना कर मार डालने की घटनाओं के जरिए लोगों के बीच आतंक फैलाने की कोशिशों में जिस तरह बढ़ोतरी हुई है, उससे साफ है कि अभी आतंकियों का असर खत्म नहीं हुआ है। किसी की पहचान तय करके उसे मार डालने का एक मकसद यह भी होता है कि अलग-अलग समुदायों के बीच आपस में दूरी और संदेह का माहौल पैदा किया जाए, ताकि असुरक्षाबोध से घिरे लोगों का इस्तेमाल मन-मुताबिक किया जा सके। जाहिर है, सुरक्षा बलों को अब हालात के मुताबिक नई रणनीति के तहत आतंकियों के खिलाफ मोर्चा लेना होगा।

महिलाओं को लेकर राजनेताओं की संकुचित और आपत्तिजनक टिप्पणी अशोभनीय

सुषमा सिंह

लोकतंत्र में राजनेता अपने प्रतिद्वंद्वी पर तीखी टिप्पणियां कर सकते हैं, मगर इसका यह अर्थ नहीं कि लोकतंत्र की मर्यादा को ताक पर रख दिया जाए। राजनीति में सार्वजनिक वक्तव्यों का महत्त्व होता है। अगर कोई बड़ा नेता अपने किसी प्रतिद्वंद्वी के बारे में टिप्पणी करता है, तो निचली कतार के नेता उसे आगे बढ़ाते हैं।

संसद में महिलाओं के लिए एक तिहाई सीटें आरक्षित करने संबंधी नारी शक्ति वंदन अधिनियम पिछले मानसून सत्र में पारित हो गया। हालांकि यह कानूनी प्रावधान अगले लोकसभा चुनाव से प्रभावी होगा, पर लंबे समय से रुकी पड़ी इस मांग के पूरा हो जाने से इसलिए महिलाओं में उत्साह है कि राजनीति में उनकी उपस्थिति बढ़ेगी और वे व्यवस्था संबंधी महत्त्वपूर्ण निर्णयों में सहभागिता कर सकेंगी।

मगर महिलाओं को लेकर खुद राजनेताओं में जैसा संकुचित दृष्टिकोण देखा जाता है, उससे संदेह होता है कि उन्हें वास्तव में कितनी शक्ति और कितना सम्मान मिल पाएगा। चुनावी गहमागहमी में राजनेता अक्सर प्रतिद्वंद्वी नेताओं पर व्यक्तिगत टिप्पणी करने से भी परहेज नहीं करते। वे भूल जाते हैं कि किसी महिला के बारे में अशोभन टिप्पणी करने से बचना चाहिए। ममता बनर्जी, हेमा मालिनी और कंगना रनौत पर की गई टिप्पणियां इसका ताजा उदाहरण हैं।

इसके पहले भी कई चुनाव अभियानों के दौरान विभिन्न पार्टियों के जिम्मेदार माने जाने वाले नेताओं की तरफ से प्रतिद्वंद्वी पार्टी की महिला उम्मीदवारों और नेताओं पर की गई आपत्तिजनक टिप्पणियों और लहजों को याद किया जा सकता है। चुनाव के अलावा, सामान्य अवसरों पर भी, महिला नेताओं के खिलाफ कई बार अशोभन वक्तव्य सुने गए हैं।

लोकतंत्र में राजनेता अपने प्रतिद्वंद्वी पर तीखी टिप्पणियां कर सकते हैं, मगर इसका यह अर्थ नहीं कि लोकतंत्र की मर्यादा को ताक पर रख दिया जाए। राजनीति में सार्वजनिक वक्तव्यों का महत्त्व होता है। अगर कोई बड़ा नेता अपने किसी प्रतिद्वंद्वी के बारे में टिप्पणी करता है, तो निचली कतार के नेता उसे आगे बढ़ाते हैं। इसलिए उनसे न केवल शब्दों के चुनाव, बल्कि लहजे पर लगाम की भी अपेक्षा की जाती है। राजनीति में भाषा एक बड़ा औजार होता है। अगर उसे ठीक से बरतना न आए, तो कई बार खुद को भी जख्मी कर लेने का खतरा रहता है। किसी महिला के प्रति अमर्यादित भाषा का इस्तेमाल तो यह भी जाहिर करता है कि टिप्पणी करने वाले का महिला समाज के प्रति दृष्टिकोण क्या है। संसद में महिला आरक्षण को लेकर चली बहसों के समय की कुछ टिप्पणियों की गूंज आज तक इसीलिए बनी हुई है कि उनसे पूरे महिला समाज के सम्मान पर प्रश्नचिह्न लगा था। राजनीतिक दलों की अगली कतार में सामान्य महिलाओं की उपस्थिति वैसे भी न के बराबर है। ऐसे में महिलाओं के प्रति दुराग्रहपूर्ण टिप्पणियां इस विडंबना को और गहरा करती हैं।

यह भी चिंता का विषय है कि आखिर राजनीति में भाषा की मर्यादा इतनी धुंधली क्यों होती जा रही है कि राजनेता संसद और विधानसभाओं से लेकर सार्वजनिक मंचों तक पर बेलगाम कुछ भी बोलने में संकोच नहीं करते। महिलाओं के प्रति हमारे पुरुष प्रधान समाज का नजरिया किसी से छिपा नहीं है।

मगर जिन पर समाज और व्यवस्था की विसंगतियां दूर करने की जिम्मेदारी है, अगर वे भी उसी संकीर्ण मानसिकता से ग्रस्त हों, तो महिला शक्ति और उसके सम्मान की आकांक्षा भला कहां तक पूरी हो पाएगी।

शीर्ष नेतृत्व की संकीर्णता और दुराग्रह छन कर नीचे तक पहुंचते हैं। हर राजनीतिक दल महिलाओं को बराबरी का हक दिलाने का दम भरता देखा जाता है, सत्ता में आने पर महिला सुरक्षा के दावे करता भी नहीं थकता, मगर जब तक खुद राजनेताओं के मन में महिलाओं के प्रति सम्मान पैदा नहीं होगा, तब तक उन्हें शक्ति दिला पाना संभव नहीं होगा।

बीमारी का विस्तार, बदलती जीवन शैली में समय पर सजगता जरूरी

डा मनोज सिंघल

देश में कैंसर को लेकर जैसी जागरूकता होनी चाहिए, वह भी संतोषजनक नहीं है। इसका इलाज अब भी सामान्य आयवर्ग की क्षमता से बाहर है।

बदलती जीवन-शैली, जलवायु परिवर्तन, प्रदूषण, खाद्य पदार्थों में विषाक्तता आदि के चलते बीमारियों का विस्तार हो रहा है। नई-नई बीमारियां जन्म ले रही हैं। कैंसर भी इन्हीं स्थितियों के चलते लगातार अपने पांव पसार रहा है। हालांकि अब इस समस्या से पार पाने के लिए चिकित्सा विज्ञान ने कई आसान और कारगर उपाय तलाश लिए हैं, इसकी दवाओं की उपलब्धता बढ़ी है। मगर यह अब एक आम बीमारी बन गया है। ह्यलैंसेटह्न के ताजा अध्ययन में बताया गया है कि अगले पंद्रह-सोलह वर्षों तक हर वर्ष केवल स्तन कैंसर से दस लाख मौतें हो सकती हैं। स्तन कैंसर अब एक आम बीमारी बन चुका है।

महिलाओं और पुरुषों के बीच भेदभावपूर्ण नजरिया घातक

स्वाभाविक ही इसे लेकर दुनिया भर के स्वास्थ्य विशेषज्ञों की चिंता बढ़ गई है। बेशक इस रोग से पार पाना आसान हो गया है, पर असल समस्या हर किसी तक इसके इलाज की पहुंच संभव न हो पाना है। भारत जैसे समाजों में गरीबी, चिकित्सा सुविधाओं की उपलब्धता कम होने तथा महिलाओं और पुरुषों के बीच भेदभावपूर्ण नजरिया व्याप्त होने की वजह से इस समस्या पर काबू पाना और कठिन हो जाता है।

अपने स्वास्थ्य के प्रति महिलाएं जागरूक नहीं रहती हैं

भारतीय समाज में महिलाओं की स्वास्थ्य संबंधी देखभाल में मुश्किलें इसलिए भी आती हैं कि महिलाएं खुद इसे लेकर बहुत सजग नहीं होती हैं। शहरी इलाकों में जरूर महिला स्वास्थ्य को लेकर सतर्कता देखी जाती है, मगर ग्रामीण और समाज के निचले कहे जाने वाले तबकों में इसका घोर अभाव नजर आता है। फिर, कैंसर को लेकर जैसी जागरूकता होनी चाहिए, वह भी संतोषजनक नहीं है। इसका इलाज अब भी सामान्य आयवर्ग की क्षमता से बाहर है। इसलिए बहुत सारी महिलाओं में स्तन कैंसर की समय पर पहचान नहीं हो पाती और जिनकी हो भी पाती है, उसमें बहुत देर हो चुकी होती है और उनके लिए इलाज कराना कठिन होता है।

रोमांटिक लव स्टोरी प्यार के दो नाम का टीजर हुआ रिलीज, 3 मई को सिनेमाघरों में देगी दस्तक

बॉलीवुड फिल्म प्यार के दो नाम का टीजर रिलीज हो गया है, यह एक लव स्टोरी होगी जिसे रिलायंस एंटरटेनमेंट द्वारा प्रस्तुत किया गया है.

यह फिल्म अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी में स्थापित एक प्रेम कहानी है. फिल्म का निर्माण विजय गोयल और डेनिस जावेद द्वारा किया गया है. फिल्म का निर्देशन डेनिस जावेद ने किया है. फिल्म में नए कलाकार भाव्या सचदेवा और अंकिता साहू मुख्य भूमिकाओं में हैं. फिल्म 3 मई 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी. टीजर में खूबसूरत परिसर और युवाओं की मासूमियत की झलक दिखाई गई है. टीजर दर्शकों को यह अंदाजा लगाने के लिए काफी है कि फिल्म एक भावुक प्रेम कहानी है.फिल्म एक दूजे के लिए या एक दूसरे के साथ टैग लाइन पर आधारित हैं । इश्क़ सुभानअल्लाह सूफियाना, प्यार मेरा एवं सन्यासी मेरा नाम जैसे रोमांटिक धारावाहिक एवं फिल्मों के लेखक दानिश जावेद द्वारा निर्देशित फ़िल्म प्यार के दो नाम एक आधुनिक प्रेम कहानी हैं जो युवाओं के बीच में प्यार को लेकर आधुनिक सोच को बहुत ही इमोशनल तरीके से प्रस्तुत करती हैं ।फ़िल्म के टीजर की शुरुआत अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी में आयोजित एक पीस सेमिनार से होती हैं इसमें आर्यन खन्ना (भव्या सचदेवा) नेल्सन मंडेला और कायरा सिंह (अंकिता साहू) महात्मा गाँधी पर अपनी अपनी रिसर्च प्रस्तुत करते हैं । आर्यन खन्ना कहते हैं मैं उस ब्यूटी को ब्यूटी ही नहीं मानता जो आँखों को अट्रैक्ट ना करे। टीजर के दूसरे संवाद में आर्यन खन्ना रोमांटिक संवाद में कहते हैं मडेला जी यह ट्रॉफी जीतेंगे, और मैं इस लडक़ी का दिल। इस पर कायरा सिंह बेहद ही सख्त लहजे में कहती हैं कि मैं अजनबियों से बात नहीं करती। दोनों मुख्य कलाकारों की नोक झोंक के बीच में बैकग्राउंड में फ़िल्म का शीर्षक गीत सुनाई देता हैं ।टायटल सांग के साथ 1 मिनट 10 सेकंड का यह टीजर एक फ्रेश लव स्टोरी का एहसास कराता हैं । रिलायंस एंटरटेनमेंट और जोकुलर एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड की फ़िल्म प्यार के दो नाम में मुख्य भूमिका में भव्या सचदेवा , अंकिता साहू के साथ कनिका गौतम, अचल टंकवाल , दीप्ति मिश्रा , नमिता लाल प्रमुख भूमिकाओं में नज़र आएँगे ।

जसप्रीत बुमराह की छवि पर लगा धब्बा!

नई दिल्ली। आईपीएल 2024 में आए दिन एक से बढ़कर एक मुकाबले देखने को मिल रहे हैं। मौजूदा सीजन में हर दूसरे मैच में टीम को 200 प्लस का स्कोर बनाते हुए देखा जा रहा है। सिर्फ 200 ही नहीं, बल्कि इस बार 250 पल्स से ज्यादा के स्कोर भी टीम बना चुकी हैं।

इस सीजन गेंदबाजों की जमकर कुटाई हो रही है। हर मैच में गेंदबाजों को पिटते हुए देखा जा रहा है। दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में दिल्ली कैपिटल्स का सामना मुंबई इंडियंस से हो रहा है, जिसमें मुंबई के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की भी ऐसी धुनाई हुई, जिसका किसी ने क्या खुद बुमराह ने भी नहीं सोचा होगा।

तीन वनडे, पांच टी20 मैच के लिए न्यूजीलैंड का दौरा करेगा पाकिस्तान

नई दिल्ली। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने पुष्टि की है कि उनकी राष्ट्रीय टीम अगले साल तीन वनडे और पांच टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने के लिए न्यूजीलैंड का दौरा करेगी। पीसीबी अध्यक्ष मोहसिन नकवी और न्यूजीलैंड क्रिकेट के मुख्य कार्यकारी अधिकार स्काट वेनिंक के बीच लाहौर में चल रही पांच मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज के मौके पर हुई बैठक के दौरान अंतिम रूप दिया गया। बैठक के दौरान सैद्धांतिक रूप से यह दौरा 2025 चैंपियंस ट्राफी के बाद आयोजित करने का निर्णय किया गया। चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी पाकिस्तान को करनी है। बैठक में पीसीबी के सीओओ सलमान नसीर और डायरेक्टर इंटरनेशनल क्रिकेट उस्मान वहला भी शामिल हुए। बता दें कि न्यूजीलैंड को चैंपियंस ट्रॉफी से पहले ट्राई-सीरीज सीरीज के लिए पाकिस्तान का दौरा भी करना है।

कीवी टीम तीन बार चुकी है पाकिस्तान का दौरा

गौरतलब हो कि न्यूजीलैंड ने टेस्ट और टी20 सीरीज के लिए 2022-23 में दो बार पाकिस्तान का दौरा किया। पाकिस्तान इस जनवरी में पांच मैच की टी20 मैच सीरीज के लिए न्यूजीलैंड गया था। पीसीबी प्रमुख मोहसिन नकवी ने कहा, पीसीबी प्रमुख ने पाकिस्तान द्वारा अगले साल की शुरुआत में चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी करने और सभी भाग लेने वाले देशों को बिना किसी चिंता के पाकिस्तान में खेलने की आवश्यकता के संदर्भ में बात की है।

2-1 से सीरीज में है आगे

बता दें कि न्यूजीलैंड टीम फिलहाल तीसरी बार पाकिस्तान के दौरे पर है। दोनों देशों के बीच पांच टी20 सीरीज के चार मैच हो चुके हैं। न्यूजीलैंड 2-1 से आगे है। पहला टी20 मैच बारिश के चलते रद्द हो गया था। दूसरा मैच पाकिस्तान ने जीता। उसके बाद दो मैच लगातार कीवी टीम ने जीता। 27 अप्रैल को सीरीज का आखिरी और निर्णायक मुकाबला खेला जाएगा।

सौंदर्य प्रतियोगिता जीतना फिल्म की गारंटी नहीं है, कुछ निश्चित कौशल होना चाहिए:सुश्री मिश्रा

सुश्री श्रेया मिश्रा, जिन्होंने एशियन सुपरमॉडल इंडिया और मिस यूनाइटेड कॉन्टिनेंट्स 2015 जैसी सौंदर्य प्रतियोगिताएं जीती हैं, ने साझा किया कि वे दिन गए जब मिस इंडिया को फिल्मों में जगह मिलती थी। उन्होंने कहा कि आज के दिन और युग में, किसी के पास कुछ कौशल होना जरूरी है।

दिवा आयुष शर्मा अभिनीत आगामी एक्शन फिल्म रुसलान के साथ प्रमुख महिला के रूप में शुरुआत करने के लिए तैयार है।अगर उन्हें लगता है कि सौंदर्य प्रतियोगिताओं से अभिनय परियोजनाएं हासिल करना आसान हो जाता है, तो आई एएम पॉपुलर, मिस विवियस, मिस रैंपवॉक जैसे कई पुरस्कार जीत चुकीं सुश्री ने कहा, मुझे लगता है कि मिस इंडिया जैसी प्रतियोगिताएं आपके क्षितिज को व्यापक बनाती हैं। एक अद्भुत तरीके से जहां आप उद्योग के चरमोत्कर्ष से मिलते हैं, लेकिन अगर आप प्रतियोगिता जीत जाते हैं तो यह आपको फिल्म की गारंटी नहीं देता है, मुझे लगता है कि वे दिन गए जब मिस इंडिया को फिल्मों में मौका मिलता था मुझे लगता है कि आज के युग में आपके पास एक निश्चित कौशल होना चाहिए।

अपनी पूरी यात्रा के लिए आभारी महसूस करते हुए, सुश्री ने कहाः जिस क्षण मैंने फैसला किया कि मुझे अभिनय करना है, मैंने थिएटर किया, मैंने खुद को एक्शन में प्रशिक्षित किया और यही कारण है कि मुझे लगता है कि मुझे इस फिल्म के लिए चुना गया है। इसलिए, मैं ऐसा नहीं सोचती कोई भी देरी हो सकती है, लेकिन फिर हर चीज के लिए उपयुक्त समय होता है, और फिर नियति नाम की कोई चीज होती है जिस पर मैंने फिलहाल विश्वास करना शुरू कर दिया है क्योंकि मुझे एक ऐसी शानदार फिल्म के लिए चुना गया है जहां मैं अपने सभी कौशल और प्रतिभा दिखा सकता हूं।

विश्वक सेन ने गैंग्स ऑफ गोदावरी की डबिंग की पूरी, 27 अप्रैल को जारी होगा टीजर

विश्वक सेन ने गैंग्स ऑफ गोदावरी के टीज़र की डबिंग पूरी की। सिनेमाघरों और ओटीटी प्लेट-फार्मों पर गामी की शानदार सफलता के बाद, गतिशील विश्व सेन गैंग्स ऑफ गोदावरी में धमाकेदार वापसी कर रहे हैं! प्रतिभाशाली कृष्णा चैतन्य द्वारा निर्देशित यह एक्शन से भरपूर विलेज ड्रामा 17 मई, 2024 को सिनेमाघरों में धूम मचाने के लिए तैयार है। अपने कैलेंडर चिह्नित करें! निर्माताओं ने 27 अप्रैल को शाम 4:10 बजे गैंग्स ऑफ गोदावरी का टीज़र लॉन्च करने की घोषणा की है। विश्वक सेन ने खुद अपने इंस्टाग्राम पर घोषणा करते हुए उत्साह बढ़ाया कि उन्होंने टीज़र की डबिंग पूरी कर ली है। गैंग्स ऑफ गोदावरी में कई शानदार कलाकार हैं, जिनमें आकर्षक नेहा शेट्टी मुख्य भूमिका में हैं, साथ ही साई कुमार, आयशा खान और गोपाराजू रमना जैसे प्रसिद्ध कलाकार भी हैं।

मुंबई पर मिली धमाकेदार जीत के बावजूद नियम पर उठाए कप्तान पंत ने सवाल

नई दिल्ली। अरुण जेटली क्रिकेट स्टेडियम में दिल्ली कैपिटल्स की पिक्चर सुपरहिट रही। एकतरफा मुकाबले में दिल्ली ने मुंबई इंडियंस को हाई-स्कोरिंग मुकाबले में 10 रन से हराया। दिल्ली से मिले 258 रन के लक्ष्य के जवाब में मुंबई की टीम 20 ओवर में 9 विकेट खोकर स्कोर बोर्ड पर 247 रन ही लगा सकी। लगातार दूसरी जीत से कप्तान ऋषभ पंत गदगद नजर आए। पंत ने जैक फ्रेजर मेकगर्क की तूफानी बल्लेबाजी की जमकर तारीफ की।

पंत ने उठाए नियम पर सवाल

मुंबई के खिलाफ मिली जीत के बाद दिल्ली के कप्तान ने कहा, "हम स्कोर बोर्ड पर 250 रन लगाने के बाद काफी खुश थे, लेकिन इम्पैक्ट प्लेयर नियम की वजह से चीजें दिन प्रतिदिन मुश्किल होती जा रही हैं। जाहिर तौर पर मैं आगे आकर विकेटकीपिंग कर सकता हूं, पर इसके लिए बॉलर का कॉन्फिडेंट होना जरूरी है। हालांकि, टिम डेविड के खिलाफ यह प्लान आज काम कर गया।" पंत ने 27 गेंदों पर 84 रन की तूफानी पारी खेलने वाले जैक फ्रेजर मेकगर्क की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा, "वह पहले दिन से ही कमाल का प्रदर्शन कर रहे हैं और आप एक युवा प्लेयर से ऐसा ही कुछ चाहते हैं। वह हर मैच के साथ और बेहतर होते जा रहे हैं।" प्लेऑफ में पहुंचने के चांस पर बात करते हुए दिल्ली के कप्तान ने कहा, "प्लेऑफ में पहुंचने के चांस दिन प्रतिदिन बढ़ रहे हैं, लेकिन हम एक समय पर एक ही गेम पर ध्यान लगा रहे हैं।"

दिल्ली कैपिटल्स ने मुंबई इंडियंस को 10 रन से हराते हुए वानखेड़े में मिली हार का हिसाब चुकता किया।

एक नजर

पूजा-अर्चना के साथ हुई श्री गणेश की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा

नई टिहरी : भिलंगना-बालगंगा नदियों के संगम मुनितीर्थ गणेश प्रयाग में गणेश मंदिर और मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा के लिए आयोजित तीन दिवसीय अनुष्ठान का यज्ञ हवन के साथ विधिवत समापन हो गया। इस मौके पर पुजारी और पंडितों ने मंत्रोच्चार के साथ मंदिर और गणेश मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा की। शनिवार को घनसाली के संगम मुनितीर्थ गणेश प्रयाग में हरिद्वार से संगमरमर से निर्मित ढाई कुंतल की भगवान गणेश की भव्य मूर्ति को गंगा-हिमालय जनजागृति समिति के सदस्यों ने क्षेत्र में भ्रमण कराया। इसके उपरांत संगम पर स्नान के बाद बाद तीन दिवसीय अनुष्ठान किया गया। समिति के सचिव व धर्माधिकारी वीरेंद्र सेमवाल ने कहा कि, टिहरी बांध बनने के बाद पुरानी टिहरी में भिलंगना-भागीरथी के संगम स्थल को गणेश प्रयाग के रूप में जाना जाता था, लेकिन उसके जलमग्न हो जाने के बाद भिलंगना-बालगंगा के संगम को गणेश प्रयाग के रूप में विकसित किया जा रहा है। जहां पर स्थानीय लोगों के सहयोग से भव्य गणेश मंदिर का निर्माण कर उसमें मूर्ति स्थापना की गई। उन्होंने कहा कि, इस स्थल पर लोग विभिन्न पर्वों पर पवित्र स्नान के साथ ही अस्थि विसर्जन कर सकेंगे। साथ ही भगवान गणेश के दर्शन व पूजा अर्चना कर सकेंगे। कार्यक्रम में पहुंची महिलाओं व पुरुषों ने सामूहिक भोज कर गणेश भगवान का आशीर्वाद लिया। मौके पर समिति अध्यक्ष धर्म सिंह बिष्ट, पुजारी योगेश्वर प्रसाद मैठाणी, उम्मेंद सिंह चौहान, केदार सिंह रौतेला, रोशन लाल जोशी, गोविंद बडोनी, राजेन्द्र सिंह पंवार, मुरारीलाल गैरोला, हुकम सिंह रावत, चंदन सिंह पोखरियाल, आनंद प्रसाद व्यास, शैलेन्द्र रतूड़ी, गुलजारी नेगी, वीरेंद्र सिंह नेगी आदि मौजूद रहे।

तीर्थपुरोहितों ने अवैध कब्जों को मुक्त कराने का लिया निर्णय

नई टिहरी : श्री बदरीश पंडा पंचायत की वार्षिक बैठक में तीर्थपुरोहित समाज की संपतियों को अवैध कब्जों से मुक्त किये जाने का फैसला लिया गया। इस मौके पर पंचायत का वार्षिक बजट पारित करने के साथ ही भविष्य की कार्य योजना भी बनाई गयी। शनिवार को तीर्थनगरी देवप्रयाग स्थित कार्यालय में बदरीनाथ धाम के तीर्थ पुरोहितों की सवोच्च संस्था श्री बदरीश पंडा पंचायत की दो दिवसीय वार्षिक बैठक आयोजित हुई। अध्यक्ष प्रवीन ध्यानी की अध्यक्षता में सचिव रजनीश मोतीवाल ने पंचायत का वार्षिक बजट रखा, जो सर्वसहमति से पारित हुआ। वहीं बैठक में भविष्य की कार्य योजना भी रखी गयी। जिसमें तीर्थपुरोहित समाज की विभिन्न स्थानों पर स्थित संपतियों को अवैध कब्जों से मुक्त कराये जाने का संकल्प लिया गया। साथ ही अवैध कब्जाधारियों के नाम सार्वजनिक किये जाने का फैसला भी लिया गया। अध्यक्ष प्रवीन ध्यानी ने कहा कि धाम के तीर्थ पुरोहितों के लिए पिछले वर्ष विधिवत परिचय पत्र जारी किये गए हैं। जबकि नई टिहरी स्थित मन्दिर को भव्य रूप दिया गया है। वहीं बदरीनाथ धर्मशाला चौक का समतलीकरण, जोगीवाड़ा भूमि पर तारवाड, गरुड़ मन्दिर व देवप्रयाग संगम की व्यवस्था में सुधार किया गया है। बदरीनाथ धाम में लम्बे समय से चल रहे गोपाल मन्दिर विवाद का सर्वमान्य समाधान भी किया गया।

बाईपास निर्माण के प्रभावितों को बाजार रेट पर मिले मुआवजा

प्रशासन के रवैये पर एनएचएआई संघर्ष समिति व प्रभावितों ने जताई नाराजगी

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : एनएचएआई विरोध संघर्ष समिति ने कोटद्वार बाईपास के निर्माण के प्रभावितों को बाजार दर पर मुआवजा देने की मांग की है। कहा कि वर्तमान में प्रभावितों की जमीन व भवनों के मनमाने दाम लगाए जा रहे हैं। जिससे प्रभावितों में भारी आक्रोश है। यही नहीं भूमि व भवन से जुड़े कई मुद्दे अब तक भी स्पष्ट नहीं हो पाए हैं। ऐसे में प्रशासन को प्रभावितों के हितों को लेकर गंभीरता से कार्य करना चाहिए।

शनिवार को तहसील सभागार में अपर जिलाधिकारी ईला गिरी ने प्रभावितों की शिकायतों को सुना। बैठक में कोटद्वार बाईपास के निर्माण के प्रभावित ग्रास्टनगंज, रतनपुर, कुंभीचौड़, जीतपुर, विशनपुर व नाथूपुर के पीड़ितों ने अपनी समस्याएं रखी। समिति के अध्यक्ष आशीष रावत ने बताया कि प्रभावितों को बाजार दर पर ही मुआवजा देने की योजना बनाई जानी चाहिए। कहा कि अभी तक गोल खातों को लेकर स्पष्ट नहीं हो पाया है कि गोल खाते की जमीन का मुआवजा किसको दिया जाए। कहा कि इस क्षेत्र में कई लोग कई वर्षों से अपना मकान बना कर रह रहे है, जिनके पास जमीनों के पट्टे भी है, लेकिन उन्हें मुआवजा नहीं दिया जा रहा है। संघर्ष समिति से जुड़े प्रभावितों ने प्रशासन पर गुमराह करने का आरोप लगाया। कहा कि उन्हें मुआवजे को लेकर स्पष्ट जानकारी नहीं दी जा रही है। जिससे प्रभावितों में असमनजस की स्थिति बनी हुई है। जिस पर अपर जिलाधिकारी इला गिरि ने राजस्व उपनिरीक्षक को एक समिति का गठन करने के निर्देश दिए। कहा कि समिति प्रत्येक प्रभावित के घर पर जाकर एनएचएआई से प्रभावित होने वाली जमीन का मूल्यांकन करेगी। सही मूल्यांकन करने के बाद उनकी सुनवाई की जाएगी। इस मौके पर सुनील रावत, ममता, सिद्धि देवी, धीरेंद्र सिंह रावत, संगीता तिवारी, लक्ष्मण सिंह, राजेंद्र तिवारी मौजूद रहे।

तहसील सभागार में आयोजित बैठक में अधिकारी को शिकायत से अवगत करवाते पीड़ित

कविता अध्यक्ष व कांति बनी उपाध्यक्ष

विद्यार्थियों को मुख्यमंत्री छात्रवृत्ति योजना के चैक देते शिक्षक व सदस्य

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : जयहरीखाल के राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बूचाखाल में विद्यालय प्रबंधन समिति की पुरानी कार्यकारणी को भंग कर नवीन कार्यकारणी का गठन किया गया। जिसमें कविता देवी को अध्यक्ष व कांति देवी को उपाध्यक्ष चुना गया। इस दौरान विद्यार्थियों को मुख्यमंत्री छात्रवृत्ति योजना के चैक भी प्रदान किए गए।

शनिवार को आयोजित कार्यक्रम शुभारंभ विद्यालय के प्रधानाचार्य महेंद्र गुंसाई ने किया। सर्वप्रथम विद्यालय प्रबधंन समिति के चुनाव करवाए गए, जिसमें अभिभावकों की तरफ से अध्यक्ष पद के लिए कविता देवी व उपाध्यक्ष पद के लिए कांति देवी के नाम का प्रस्ताव रखा गया। जिसका समस्त अभिभावकों ने हाथ उठाकर समर्थन किया गया। तत्पश्चात मुख्यमंत्री छात्रवृत्ति योजना परीक्षा में सफल रहे छात्र समीर नेगी व ईशिका द्विवेदी को छात्रवृत्ति के चैक प्रदान किए गए। बोर्ड परीक्षा में विद्यालय की ओर से सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाली शिवानी घिल्डियाल की माता शांति देवी व आयुष चौहान की माता अनीता देवी को चैक देकर पुरस्कृत किया गया।

पेयजल समस्या को गंभीरता से लें अधिकारी : ऋतु

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूडी भूषण ने गर्मियों में क्षेत्र में पेयजल का तत्काल समाधान करवाए जाने के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया। कहा कि पानी के पाइपों में हो रही लीकेज को ठीक करवाया जाए। घरों में पर्याप्त मात्रा में पानी पहुंचाने की जिम्मेदारी विभाग की है। कहा कि लापरवाह अधिकारियों की जबाबदेही तय की जाएगी। विधानसभा अध्यक्ष ऋतु भूषण खंडूडी भूषण ने अपने कार्यालय के माध्यम से जल संस्थान के अधिशासी अभियंता को पत्र के माध्यम से क्षेत्र में पेयजल व्यवस्था को दुरस्त करने के निर्देश दिए। कहा कि वर्तमान में कई क्षेत्रों में पेयजल किल्लत की शिकायत आ रही है। देवीरोड पर पनियाली गदेरे के ऊपर से गुजरने वाले 12 इंची पानी के पाइप में लीकेज हो रहा है, जिससे घरों में पानी पर्याप्त मात्रा में नहीं पहुंच पा रहा है। नजीबाबाद रोड़ पर भी दो नलकूपों की मोटर फुंकने की सूचना है। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि गर्मियों ने क्षेत्र में पेयजल की समस्या का तत्काल निस्तारण किया जाय। कहा कि विधानसभा क्षेत्र में पेयजल के लिए नलकूपों की पर्याप्त व्यवस्था की जा चुकी है। उन्होंने गोखले मार्ग पर अस्थाई अतिक्रमण हटाने के लिए नगर आयुक्त को भी पत्र के माध्यम से निर्देशित किया। कहा कि गोखले मार्ग से हर हाल में अतिक्रमण हटाना जरूरी है, जिससे राहगीरों को चलने में आसानी हो। उन्होंने क्षेत्र में स्थाई अतिक्रमण को हटाने के भी निर्देश दिए।

नहीं थम रहा ट्रेंचिंग ग्राउंड पर आग लगाने का मामला

श्रीनगर गढ़वाल : नगर निगम श्रीनगर क्षेत्रांतर्गत बस अड्डे स्थित ट्रंचिंग ग्राउंड पर आग लगाने का मामला शांत होने का नाम नहीं ले रहा है। ट्रंचिंग ग्राउण्ड में आग लगाने को लेकर दोनों पक्ष आमने सामने आकर एक-दूसरे पर आरोप लगा रहे हैं।

जंगलों की आग पर अंकुश लगाएं अफसर : सीसीएफ

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : लगातार जंगल में आग लगने की घटनाएं बढ़ रही है। आग की घटनाओं को देखते हुए वन विभाग के अधिकारियों ने फील्ड में डोर डाल दिया है। सीसीएफ गढ़वाल ने फायर वॉचरों की संख्या बढ़ाने को कहा। उन्होंने पौड़ी रेंज के विभिन्न स्थानों में जंगल की आग को लेकर अफसरों को अंकुश लगाने के कड़े निर्देश दिए हैं।

सीसीएफ नरेश कुमार ने शनिवार को खिर्सू क्षेत्र के कई स्थानों का जायजा लिया। लोग खेतों में आड़े जलाने के बजाए इसे एक जगह एकत्र कर खरपतवार के ऊपर मिट्टी डालने के लिए कहा गया, ताकि यह खाद के तौर पर इस्तेमाल हो सके और जंगलों में आग की भी वजह न बने। उन्होंने सीएफ आकाश वर्मा सहित अन्य अफसरों को कहा कि वनाग्नि को देखते हुए जिन रेंजों में फायर वॉचर कम हो वहां इन्हें बढ़ाया जाए।

अकेले पौड़ी जिले में अभी तक 80 हेक्टेअर रिजर्व और सिविल वन 30 हेक्टेअर प्रभावित हो गए हैं। खिर्सू क्षेत्र में स्थानीय लोगों से भी सीसीएफ ने बातचीत की। इस मौके पर डीएफओ गढ़वाल स्वपनिल अनिरुद्ध, डीएफओ सिविल प्रदीप कुमार मौजूद रहे।

पैनल ने कण्वघाटी महाविद्यालय का किया निरीक्षण

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : राजकीय महाविद्यालय कण्वघाटी में श्री देव सुमन उत्तराखंड विश्वविद्यालय से संबद्धता प्राप्ति हेतु पैनल द्वारा महाविद्यालय का निरीक्षण किया गया। इस दौरान महाविद्यालय में शिक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाने का निर्णय लिया गया।

महाविद्यालय सम्बद्धता समिति संयोजक डॉ. विनय देवलाल ने बताया कि सत्र 2024-25 हेतु महाविद्यालय की सम्बद्धता प्राप्ति हेतु राजकीय महाविद्यालय कण्वघाटी में श्री देव सुमन उत्तराखंड विश्वविद्यालय से विज्ञान संकाय के पांच विषय जंतु विज्ञान, वनस्पति, रसायन, भौतिक विज्ञान व गणित तथा कला संकाय के 6 विषय हिंदी, अंग्रेजी, संस्कृत, अर्थशास्त्र, राजनीति विज्ञान व समाजशास्त्र एवं वाणिज्य संकाय के विषयों के संबद्धता हेतु विश्वविद्यालय द्वारा गठित पैनल ने महाविद्यालय का निरीक्षण किया।

कला व वाणिज्य संकाय के निरीक्षण समिति के संयोजक प्रो. राजेश उभान एवं समिति के सदस्य प्रो. दक्षा जोशी, प्रो. वीपी अग्रवाल, प्रो. हेमलता मिश्रा, डॉ. पूनम पाठक, डॉ. अनिल कटियार, डॉ. संजीव कुमार, विज्ञान संकाय के निरीक्षण समिति के संयोजक प्रो. एमएस रावत एवं समिति के सदस्य प्रो. योगेश कुमार शर्मा, प्रो. मुरलीधर कुश्वाह, डॉ. गौरव वार्षीय, डॉ. अभिषेक गोयल ने महाविद्यालय के आधारभूत संरचना यथा कक्षा-कक्ष, महाविद्यालय में कार्यरत प्राध्यापकों एवं कर्मचारियों के मानक अनुरूप सृजित पदों, महाविद्यालय में कार्यरत विभिन्न समितियां का निरीक्षण किया। महाविद्यालय की आधारभूत संरचना, प्रयोगशाला, पुस्तकालय में पुस्तकों की उपलब्धता एवं छात्र-छात्राओं हेतु मूलभूत सुविधाओं का भी निरीक्षण किया। समिति में अधिशासी अभियन्ता लोक निर्माण विभाग दुगड्डा भी सम्मिलित रहे।

निरिक्षण सम्बंधित समस्त कार्यवाही महाविद्यालय प्राचार्य प्रो. विजय कुमार अग्रवाल की अध्यक्षता में सम्पन्न की गयी।

महाविद्यालय का निरीक्षण करती टीम

विद्यार्थियों को दी कृषि एवं बागवानी की जानकारी

पब्लिक इंटर कालेज सुरखेत में आयोजित किया गया कार्यक्रम

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : पब्लिक इंटर कालेज सुरखेत में बस्ता रहित दिवस व प्रतिभा दिवस पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में शिक्षकों ने विद्यार्थियों को कृषि एवं बागवानी की जानकारी दी।

कार्यशाला में प्रधानाचार्य पुष्कर सिंह नेगी ने बताया कि राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद की ओर से प्रत्येक माह के अंतिम शनिवार को बस्ता रहित दिवस बनाने का सुझाव दिया गया है।

जिसके तहत शिक्षकों ने विद्यार्थियों को अलग-अलग सत्रों में मृदा प्रबन्धन, कृषि एवं बागवानी, पौधशाला प्रबन्धन, हस्तशिल्प एवं काष्ठकला, ठोस अपशिष्ट प्रबन्धन, जैविक एवं अजैविक कचरा पृथक्कीकरण की जानकारी दी गई। छात्र-छात्राओं ने पूर्व में लगाए पौधों की भी निराई-गुड़ाई की। इस मौके पर शिक्षक प्रमोद कुमार रमोला, प्रकाश कैंथोला, नीरज रमोला, प्रमोद रावत, विजेता गडाई आदि मौजूद रहे।

विद्यालय में निराई-गुड़ाई करती छात्राएं

छात्रों ने ली कूड़े की जिम्मेदारी लेने की शपथ

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : राइफलमैन रघुनाथ सिंह रावत राजकीय इंटर कॉलेज केवर्स में बस्ता रहित दिवस के अवसर पर क्लीन हिमालयन अभियान ने सफाई अभियान चलाया। इस दौरान छात्रों ने स्कूल परिसर और गांव के आसपास फैले प्लास्टिक व पॉलिथीन को एकत्रित कर उसका निस्तारण किया। शनिवार को स्कूल में आयोजित कार्यक्रम में क्लीन हिमालयन कैंपेन के संस्थापक हर्ष वर्धन चंदोला ने छात्र-छात्राओं को अपने कूड़े और आसपास के कूड़े की जिम्मेदारी लेने का संदेश दिया। कहा कि आगे भी ऐसे कार्यक्रम संचालित किए जाते रहेंगे। छात्र-छात्राओं ने भी भविष्य में अपने कूड़े की जिम्मेदारी लेने की शपथ भी ली। कार्यक्रम में एएनएम नीलम नेगी कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर दीपिका रावत, योग शिक्षिका रोमा भद्रा ने अहम भूमिका निभाई। इस मौके पर स्कूल के प्रभारी प्रधानाचार्य वीरेंद्र कांत विजल्वाण, देवेंद्र सिंह कंडारी, संजय रुडोला, मनोज रावत, नूतन काला, राकेश पटवाल, भावना उनियाल, धरम सिंह, रचना सिरस्वाल, रजनी, बबीता नेगी आदि शामिल रहे।

पैसे नहीं मिलने पर रोष, एक को निकालेंगे आक्रोश रैली

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : रियल स्टेट कंपनी पीएसीएल लिमिटेड के निवेशकों ने डूबी हुई रकम वापस नहीं मिलने पर एक मई को आक्रोश रैली निकालने का निर्णय लिया है। कहा कि समस्या के संबंध में उपजिलाधिकारी के माध्यम से प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजा जाएगा।

शनिवार को ठगी पीड़ित जमाकर्ता परिवार के बैनर तले बैठक का आयोजन किया गया। वक्ताओं ने कहा कि एक मई को राष्ट्रीय संस्थापक व संयोजक मदन आजाद के कोटद्वार आगमन पर उनका भव्य स्वागत किया जाएगा। इसके बाद सभी सदस्य तहसील परिसर तक आक्रोश रैली निकालेंगे। बताया कि भारत सरकार एवं राज्य सरकार ने देश के प्रत्येक ठगी पीड़ित जमाकर्ता परिवार की ठग कंपनियों और सोसाइटियों में डूब चुकी रकम को 180 दिनों के भीतर वापस दिलाने के लिए बड्स एक्ट 2019 लागू किया है।

इसके तहत जिलाधिकारियों को भुगतान अधिकारी के रूप में नियुक्त किया गया है। लेकिन, अब तक उनकी डूबी हुई रकम को वापस दिलवाने के लिए जिले में कोई योजना नहीं बनाई गई है।

इस मौके पर सुखदेव शास्त्री, मुकेश चंद्र बड़थ्वाल, गजे सिंह रावत, रीना आर्य, कल्पना रावत, रीता रावत, विजय लक्ष्मी, अनीता घिल्डियाल, नीमा भंडारी, इंदु बिष्ट, प्रेम लता, कुलदीप राणा, किरन देवी आदि मौजूद रहे।

गुस्साएं ग्रामीणों ने रोका रेल परियोजना का निर्माण कार्य

कहा 150 आवासीय भवनों पर मंडरा रहा खतरा

श्रीनगर गढ़वाल : ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल परियोजना के निर्माण कार्य से विकासखंड कोट के अंतर्गत कांडी, रामपुर, मरगुड़ गांव के 150 आवासीय भवनों पर खतरा मंडरा रहा है। इससे गुस्साए लोगों ने रेल परियोजना का निर्माण कार्य रोका और रेल परियोजना तक जाने वाले मार्ग को रोक दिया। मौके पर रेलवे प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी कर प्रदर्शन किया।

शनिवार को काण्डी, रामपुर, मरगुड़ गांव के आक्रोशित ग्रामीणों ने रेल परियोजना का निर्माण कार्य रोक कर रेल परियोजना तक जाने वाले मार्ग को बाधित कर दिया। पितांबरी देवी ने कहा कि परियोजना में हो रहे विस्फोटकों के प्रयोग से मकानों में दरारें आ गईं हैं, जिसके चलते वे डर के साये में जी रहे हैं। लगातार सुरंग निर्माण कार्यों में हो रहे विस्फोटक से गांव के जलस्रोत भी सूख गये हैं। विनीता देवी ने कहा कि ब्लास्टिंग के चलते मकान पूरी तरीके से क्षतिग्रस्त हो गये हैं। परियोजना से निकलने वाला पानी घरों के आगे बहने से बीमारियां पैदा होने का खतरा बना हुआ है। ग्रामीण बसंती देवी ने कहा कि शिकायत के बावजूद रेलवे और प्रशासन का कोई भी अधिकारी देखने तक नहीं आया है। कहा कि घर और बच्चों की चिंता के खातिर वह सड़क मार्ग और परियोजना का काम बाधित करने पर उतर आये हैं। ग्रामीणों ने प्रशासन से गुहार लगाई है कि जल्द से जल्द उनके घर का सुधारीकरण का कार्य किया जाए। सामाजिक कार्यकर्ता संदीप रावत ने कहा कि रेलवे परियोजना के कार्य में अनियमितताएं हो रही हैं और दिन प्रतिदिन घरों में दरारें बढ़ रही हैं। मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने ग्रामीणों को शांत करने की कोशिश की लेकिन तभी भी ग्रामीण आन्दोलन पर डटे हुए हैं। रेलवे विकास निगम के प्रबन्धक विनोद बिष्ट ने बताया कि ग्रामीणों की शिकायतों को उच्च अधिकारियों तक भेजा गया है। जैसे ही उच्च स्तर से आदेश आएगा उस आधार पर कार्य शुरू कर दिया जायेगा। मौके पर जितेंद्र सिंह बिष्ट, पवन बिष्ट, अमन, सुमित, अमीषा, बसंती देवी, विनीता देवी आदि मौजूद रहे। (एजेंसी)

डीईओ बेसिक से मिला शिक्षकों का शिष्टमंडल

रुद्रप्रयाग : अशासकीय माध्यमिक शिक्षक संघ जनपद रुद्रप्रयाग के शिष्टमंडल ने जिला शिक्षा अधिकारी बेसिक से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने जूनियर हाईस्कूलों में वर्ष 2005 से पूर्व नियुक्त शिक्षक कार्मिकों का जीपीएफ कटौती को लेकर डीईओ बेसिक को ज्ञापन सौंपते हुए समस्याओं पर शीघ्र कार्रवाई की मांग की है। शनिवार को संघ के मण्डलीय अध्यक्ष शिव सिंह रावत के नेतृत्व में संघ के पदाधिकारियों ने कहा है कि जूनियर हाईस्कूलों में वर्ष 2005 से पूर्व कार्यरत शिक्षक कर्मचारियों को विभाग ने नियुक्ति तिथि से सेवा अंकना करते हुए चयन एवं प्रोन्नत वेतनमान का लाभ दिया है, परन्तु वर्ष 2005 से पूर्व नियुक्त शिक्षक कर्मचारियों की जीपीएफ कटौती न किये जाने से नियमानुसार उन्हें पुरानी पेंशन योजना के दायरे में आने के पश्चात भी कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है।

पेयजल किल्लत पर भड़के भाबरवासी

पेयजल समस्या को लेकर जल संस्थान कार्यालय में पहुंचे भाबरवासी

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : भाबर क्षेत्र के अंतर्गत पदमपुर, नारायण कालोनी, शनि मंदिर कालोनी, सहित अन्य स्थानों पर तो पिछले कई माह से पेयजल संकट बना हुआ है। क्षेत्रवासियों ने जल संस्थान कार्यालय में पहुंचकर प्रदर्शन करते हुए जल्द समस्या के निराकरण की मांग उठाई।

शनिवार को क्षेत्रवासी जल संस्थान कार्यालय में पहुंचे। बताया कि गर्मी बढ़ने के साथ ही उनके क्षेत्र में पेयजल संकट गहराने लगा है। हालत यह है कि वार्डवासी पानी के लिए इधर-उधर भटकने को मजबूर हो रहे हैं। सबसे अधिक परेशानी घर में अकेले रहने वाले बुजुर्गों को हो रही है। कहा कि क्षेत्रवासियों को घर-घर जल पहुंचाने के लिए साठ के दशक में पेयजल लाइन बिछाई गई थी। उस समय क्षेत्र की जनसंख्या करीब दस से बीस हजार थी।

लेकिन, समय बीतता चला गया और जनसंख्या में इजाफा होता रहा। बावजूद पुरानी पेयजल लाइनों के पुर्नगठन पर ध्यान नहीं दिया गया। नतीजा आज भी क्षेत्रवासियों को बूढ़ी हो चुकी उन्हें पेयजल लाइनों से पानी उपलब्ध करवाया जा रहा है। जगह-जगह लीक हो रही इन पेयजल लाइनों ने गर्मी के मौसम में मुश्किलें बढ़ा दी है।

बीडीओ ने किया विकास कार्यों, योजनाओं का स्थलीय निरीक्षण

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : खंड विकास अधिकारी थलीसैंण ने ग्राम पंचायत स्योली मल्ली, स्योली तल्ली, खंड तल्ला, खंड मल्ला, ग्राम पंचायत टीला में हो रहे विकास कार्यों, योजनाओं का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने गुणवत्ता के साथ विकास कार्य करने के निर्देश दिए। शनिवार को थलीसैंण बीडीओ टीकाराम कोटियाल ने प्रधानमंत्री आवास योजना, महात्मा गांधी नरेगा योजना, राज्य वित्त, केंद्र वित्त, विधायक निधि के तहत किए जा रहे कार्यों का निरीक्षण किया।

कहा कि विकास कार्यों में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। विकास कार्यों में लापरवाही पाये जाने पर कड़ी कार्यवाही की जाएगी। इस दौरान उन्होंने प्राथमिक स्कूल और आंगनबाड़ी केंद्र का भी निरीक्षण किया। बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत ब्लॉक में पिछले वर्ष से इस वर्ष तक के लिए 231 आवास स्वीकृत हैं, जिनमें सभी लाभार्थियों को प्रथम किस्त उनके खाते में प्राप्त हो चुकी है। 102 आवास पूर्ण 191 लाभार्थियों को दूसरी किस्त अवमुक्त की जा चुकी है। उन्होंने आवासों का निरीक्षण कर लाभार्थियों को आवास कार्य जल्द पूरा करने, विधायक निधि के तहत किए गए कार्यों की जल्द एमबी पूरा करने के निर्देश दिए। इस मौके पर ग्राम विकास अधिकारी सिताब सिंह सजवान, ग्राम पंचायत विकास अधिकारी प्रीतम सिंह आदि शामिल रहे।

उत्तर रेलवे
ई—नीलामी
आज़ादी का अमृत महोत्सव
वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक/कोचिंग, (ए.सी.ओ) उत्तर रेलवे/मुरादाबाद मंडल के द्वारा मुरादाबाद मंडल के विभिन्न डी एंड ई केटेगरी के रेलवे स्टेशनों पर कैटरिंग स्टाल (जनरल माइनर यूनिट्स) के आवंटन हेतु ई —बोलियाँ www.ireps.gov.in पर दिनांक 13.05.2024, 14.05.2024 एवं 15.05.2024 को आमंत्रित की गयी हैं, जिसकी विस्तृत जानकारी, नियम व शर्तें www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है।
1255/24
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

अदालती सूचना

न्यायालय श्रीमान सिविल जज महोदय, कोटद्वार गढ़वाल

उ0प्र0प0 वाद संख्या / 2024

योगेन्द्र सिंह नेगी पुत्र स्व0 राजेन्द्र सिंह नेगी, निवासी ग्राम सिताबपुर, पट्टी सुखरौ, तहसील कोटद्वार, जिला पौड़ी गढ़वाल

बनाम

आम जनता

उपेन्द्र सिंह नेगी पुत्र स्व0 राजेन्द्र सिंह नेगी हाल पता- सिताबपुर, कोटद्वार।

शाखा प्रबन्धक, यूनियन बैंक ऑफ इण्डिया शाखा- कोटद्वार, जिला पौड़ी गढ़वाल।

नगर निगम कोटद्वार द्वारा पार्षद वार्ड नम्बर-16, पार्षद गायत्री भट्ट।

-विरूद्ध पक्ष/रेस्पोडेन्ट्स

हरगाह प्रार्थी/वादी योगेन्द्र सिंह नेगी द्वारा आप प्रतिवादीगण के विरूद्ध एक उत्तराधिकार प्रमाण पत्र धनराशि 1,16,000/-(एक लाख सोलह हजार रूपये) मय ब्याज सहित रूपये की धनराशि मय ब्याज प्राप्त करने हेतु दीवानी वाद मेरे न्यायालय में योजित किया गया है आप प्रतिवादीगण व जिस किसी भी आम व खास को कोई उक्त वाद में आपत्ति व जवाब दाखिल करना हो तो उक्त नियत दिनांक-10/5/2024 को प्रातः 10:00 बजे मेरे न्यायालय में असालतन या वकालतन उपस्थित होकर जवाबदेही करें अन्यथा आपकी अनुपस्थिति में एक पक्षीय कार्यवाही अमल में लायी जायेगी।

आज दिनांक -24.04.2024 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय की मुद्रा से जारी।

सिविल जज
कोटद्वार गढ़वाल
(0128/11)

एक नजर

तहसील दिवस 7 मई को

श्रीनगर गढ़वाल : जन समस्याओं के निस्तारण के लिए श्रीनगर तहसील में आगामी 7 मई को तहसील दिवस आयोजित किया जायेगा। उपजिलाधिकारी श्रीनगर नुपूर वर्मा ने बताया कि श्रीनगर तहसील परिसर में जिलाधिकारी गढ़वाल की अध्यक्षता में आगामी 7 मई को सुबह 11 बजे से तहसील दिवस का आयोजन किया जायेगा। उन्होंने समस्त अधिकारियों को तहसील दिवस में प्रतिभाग करने को कहा है। (एजेंसी)

शारीरिक शोषण करने के आरोप में मुकदमा दर्ज

रुड़की। क्षेत्र निवासी युवती ने एक युवक पर शादी का झांसा देकर शारीरिक शोषण करने का आरोप लगाया है। युवती ने आरोपी के परिजनों पर गाली गलौज कर जान से मारने की धमकी देने का भी आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर मामले की पड़ताल शुरू कर दी है। थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी युवती ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि काफी समय पहले उसकी एक युवक से दोस्ती हुई थी। युवक तभी से पीड़ित के साथ शादी करने की बात कहकर उसका शारीरिक शोषण करता आ रहा है। आरोप है कि जब युवक को शादी करने के लिए कहा गया तो उसने शादी करने से साफ इनकार कर दिया। पीड़ित ने जब इसका विरोध किया तो आरोपी व उसके परिजनों ने युवती के साथ गाली गलौज कर उसे जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने युवती की तहरीर के आधार पर कमलजीत निवासी कपासी थाना सहारनपुर तथा उसके पिता सोमपाल व एक अन्य परिजन के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। भगवानपुर थाना प्रभारी सूर्य भूषण नेगी ने बताया कि तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर पड़ताल शुरू कर दी गई है।

वाहनों में तोड़फोड़, रुपये और मोबाइल लूटा

विकासनगर। दो दिन पहले ऋशर प्लांट से हरबर्टपुर लौट रहे ट्रकों को रोककर कुछ लोगों ने उनमें तोड़फोड़ कर दी। इसके बाद ट्रक ड्राइवरों से मारपीट करते हुए उनका फोन और नगदी लूट ली। तहरीर के बाद कोतवाली नगर पुलिस ने चार लोगों के खिलाफ लूट, मारपीट सहित कई धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए दबिश दे रही है। इस मामले में शुक्रवार को पुलिस ने तीन लोगों को हिरासत में लिया था। तहरीर के मुताबिक 25 अप्रैल की रात को तीन ट्रक ढकरानी स्थित ऋशर प्लांट से हरबर्टपुर की ओर लौट रहे थे। ढकरानी में राशिद पुत्र दिलशाद, आदिल पुत्र आलिम और इमरान पुत्र मंजूरा सहित तीन अन्य लोगों ने ट्रकों को रोक लिया और उनमें तोड़फोड़ करने लगे। ड्राइवरों ने जब विरोध किया किया तो उन्होंने ड्राइवरों पर भी हमला कर दिया। साथ ही एक ड्राइवर के 16 हजार और एक मोबाइल, दूसरे ड्राइवर के 12 हजार रुपये लूट लिए। ट्रक मालिक अंकित चौहान निवासी भगत सिंह कालोनी, हरबर्टपुर ने तहरीर देकर आरोप लगाया कि एक ड्राइवर को गंभीर चोटें भी आई है। तहरीर में आरोप लगाया गया है कि इस पूरे मामले में साजिद पुत्र दिलशाद निवासी ढकरानी की भूमिका है। पूर्व में भी आरोपी ने उनके वाहनों से रंगदारी वसूली है। कोतवाल राजेश शाह ने बताया कि तहरीर के बाद चारों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

जौनसार बावर में स्वरोजगार को बढ़ावा देने के लिए दो दिनों तक चिंतन करेगी लोक पंचायत

विकासनगर। लोक पंचायत के दो दिवसीय चिंतन शिविर का शुभारंभ क्षेत्र के प्रबुद्ध नागरिकों ने चालदा मंदिर, वीर शहीद केसरी चंद और वीर नंतराम नेगी के चित्र के सम्मुख दीप जलाकर किया। दसऊ गांव में चिंतन शिविर का शुभारंभ करते हुए लोक पंचायत के वरिष्ठ सदस्य केएस चौहान ने कहा कि इस शिविर का उद्देश्य सामाजिक चेतना को जागृत करना है। इससे व्यक्तित्व विकास के साथ-साथ जौनसार की अच्छाइयों को आम जनमानस तक पहुंचने का प्रयास किया जा रहा है। कहा कि चिंतन शिविर के दौरान जौनसार बावर में बढ़ती नशे की प्रवृत्ति पर रोक लगाना, पर्यटन, बागवानी और स्वरोजगार की तरफ अधिक से अधिक लोगों को प्रेरित करने जैसे विषयों पर मंथन किया जाएगा।

खत दसऊ कर्मचारी संघ के संरक्षक डॉ. अमर सिंह राय ने कहा कि जौनसार बावर को बाहर के लेखकों ने बदनाम किया है, जबकि यहां की वास्तविकता को प्रदर्शित करने और लिखने का कार्य लोक पंचायत के कार्यकर्ता कर रहे हैं। विधानसभा के पूर्व सूचना अधिकारी भारत चौहान ने कहा कि जौनसार का सामाजिक ताना-बाना, सामूहिक पारिवारिक जीवन प्रणाली बनी रहे यह वर्तमान समय की आवश्यकता है।

स्मार्ट क्लास को बेहतर बनाएं : डीएम

डीएम ने ली जवाहर नवोदय विद्यालय प्रबंधन और सलाहकार समिति की बैठक

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : जवाहर नवोदय विद्यालय प्रबंधन और सलाहकार समिति की बैठक में जिलाधिकारी डॉ. आशीष चौहान ने छात्र-छात्राओं को बेहतर सुविधा देने के साथ ही स्मार्ट क्लास की गुणवत्ता को बेहतर बनाने के निर्देश दिए। कहा कि स्मार्ट क्लास को बेहतर बनाते हुए उसकी पूरी जानकारी पीपीटी के माध्यम से प्रस्तुत करें।

डीएम डॉ. आशीष चौहान बैठक में अधिकारी को निर्देश देते हुए।

उन्होंने पठन-पाठन के अलावा बच्चों को विभिन्न गतिविधियों के बारे में भी जानकारी देने को कहा। कहा कि स्कूल में छात्र-छात्राओं का पंजीकरण बढ़ाया जाए।

शनिवार को कलक्ट्रेट में डीएम डा. आशीष चौहान ने जवाहर नवोदय विद्यालय सतपुली की विद्यालय प्रबंधन और सलाहकार समिति की बैठक लेते हुए कहा कि स्कूल में हर महीने छात्र-छात्राओं का स्वास्थ्य जांचा जाए। कहा कि छात्र-छात्राओं का स्वास्थ्य जांच कर उसकी रिपोर्ट प्रस्तुत करें। उन्होंने प्राचार्य को स्कूल में बने शौचालय, हॉस्टल, किचन, क्लास रूम सहित परिसर में साफ-सफाई बनाने के निर्देश दिए। बैठक में समिति के सदस्यों ने स्कूल में खेल गतिविधि के लिए बैडमिंटन कोड बनाने की बात कही। जिस पर डीएम ने प्राचार्य को प्रपोजल तैयार कर प्रस्तुत करने को कहा। बैठक में प्राचार्य डा. योगेंद्र पाल, खंड शिक्षा अधिकारी आरएसनेगी, समिति की सदस्य पुष्पा नेगी, महेश चंद्र पोखरियाल आदि शामिल रहे।

भाला और गोला फेंक प्रतियोगिता में पार्थ शर्मा अव्वल

हरिद्वार। एसएमजेएन पीजी कॉलेज में वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता के तहत भाला फेंक में पार्थ शर्मा ने प्रथम स्थान, अमन रजौरिया द्वितीय और जौनी कश्यप तृतीय स्थान पर रहे।

भाला फेंक छात्रा वर्ग में नेहा आसनवाल प्रथम, प्रीति और मुस्कान सिंह तृतीय स्थान पर रहीं। गोला फेंक में पार्थ शर्मा ने प्रथम, सुमित जोशी ने द्वितीय, प्रतीक रावत ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। गोला फेंक छात्रा वर्ग में प्रीति ने प्रथम, नन्दिनी ने द्वितीय और मुस्कान ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

जेईई मेंस में जागृति को मिली सफलता, क्षेत्र का नाम किया रोशन

जयन्त प्रतिनिधि।

सतपुली : सतपुली की जागृति असवाल ने जेईई मेंस की परीक्षा में सफलता हासिल की है। जागृति ने बाताया कि मेंस परीक्षा में उनके गणित में 98.4, फिजिक्स में 98.2 तथा रसायन में 99.8 प्रतिशत अंक प्राप्त किये हैं। जागृति के जेईई मेंस में सफल होने पर माता-पिता और परिजनों ने खुशी व्यक्त की।

जागृति जवाहर नवोदय विद्यालय खैरासैंण की पूर्व छात्रा भी रह चुकी है। जागृति के परिजनों में पिता सन्तन सिंह असवाल व मां ज्योत्सना असवाल दोनों ही पेशे से सरकारी विद्यालय में शिक्षक हैं।

हिमाचल विधान सभा के डिप्टी स्पीकर पहुंचे महासू धाम

विकासनगर। हिमाचल प्रदेश विधानसभा के डिप्टी स्पीकर विनय कुमार शनिवार को सपरिवार महासू धाम हनोल पहुंचे। उन्होंने पूजा अर्चना कर आशीर्वाद लिया। शिमला से शनिवार दोपहर हनोल पहुंचे डिप्टी स्पीकर ने कहा महासू देवता दो प्रदेशों को धार्मिक, सांस्कृतिक, सामाजिक नाते रिश्तेदारी से जोड़ते हैं। कहा कि हिमाचल और उत्तराखंड को जोड़ने वाले जेपीआरआर राजमार्ग पांवटा से लेकर सनेल और हाटकोटी से लेकर रोहडू, शिमला तक डबल लेन बन चुका है, लेकिन उत्तराखंड की सीमा में 40 किमी लंबा मार्ग अभी भी संकरा और तंग है। इसके चौड़ीकरण के लिए उत्तराखंड सरकार और राष्ट्रीय राजमार्ग मंत्रालय से वार्ता की जाएगी। इसके विस्तारीकरण से दोनों प्रदेशों को आवागमन के साथ ही व्यावसायिक लाभ मिल सकेगा।

टिहरी में हुई बारिश, वन विभाग ने ली राहत की सांस

नई टिहरी : शनिवार को हुई हल्की बारिश ने वनाग्नि के मामलों में थोड़ी राहत दी है। फायर सीजन में अब तक टिहरी जिले के तीन वन प्रभागों में 80 वनाग्नि की घटनाएं हो चुकी हैं। जिसमें 54 हेक्टेयर वन भूमि आग की चपेट में आने से विभाग को 80 हजार रुपये से अधिक का नुकसान हुआ है। उप प्रभागीय वनाधिकारी राखी जुयाल ने बताया कि वनाग्नि की घटनाओं की सूचना के लिए जिला मुख्यालय में एक मास्टर कंट्रोल रूम तैयार किया गया है। जिसमें टिहरी, नरेंद्रनगर और मसूरी वन प्रभाग की आग की घटनाओं की सूचना, निगरानी और क्यूआरटी टीम मूवमेंट आदि की जानकारी ली जा सकती है। बताया कि शनिवार को हुई बारिश से वनाग्नि की घटनाओं को लेकर थोड़ा राहत मिली है। इससे जंगलों में लगी आग काफी हद तक बुझ गई है। रश्मि के अनुसार जिलेभर में कुल 180 क्रू स्टेशन तैयार किए गए हैं। वनाग्नि की घटनाएं होने पर इन स्टेशन से फायर वाचर बचाव उपकरण के साथ आग बुझाने पहुंचते हैं। प्रत्येक क्रू स्टेशन पर 3 से 6 फायर वाचर लगाए गए हैं। इसके अलावा हंस फाउंडेशन की ओर से फायर फाइटर भी गांवों में रखे गए हैं। वन पंचायतों को आग बुझाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। पूरे जिले में विभागीय कार्मिक जन जागरूकता अभियान चला रहे हैं। राजस्व, पुलिस, आपदा प्रबंधन और अग्निशमन विभाग के साथ समन्वय बनाकर कार्य किया जा रहा है। अब तक सिविल वन पंचायत क्षेत्र में 46 और आरक्षित वन क्षेत्र में 34 कुल 80 वनाग्नि की घटनाएं जिले में घटित हो चुकी हैं।

विद्युत आपूर्ति सुचारु रखने की मांग को लेकर सीएम को लिखा पत्र

हरिद्वार। महानगर व्यापार मंडल ने सीएम को पत्र भेजकर शहर में मरम्मत कार्य के बहाने बिजली कटौती का विरोध किया है। कहा है कि ऊर्जा निगम की ओर से हरोज शहर से लेकर देहात क्षेत्र तक अघोषित बिजली कटौती की जा रही है। इससे पेयजल सप्लाई पर भी असर पड़ रहा है। साथ ही उद्यमियों, व्यापारियों और आम लोगों को दिक्कतें उठानी पड़ रही हैं। सीएम से बिजली कटौती बंद कराने की मांग की गई है। महानगर व्यापार मंडल के जिलाध्यक्ष सुनील सेठी ने पत्र में कहा है कि शहर के साथ ही कस्बों में लगातार बिजली कटौती से लोग परेशान हैं। उनका कहना है कि गर्मी का सीजन शुरू होते ही ऊर्जा निगम के अफसरों को अनावश्यक कार्य याद आते हैं। इसकी वजह से बिजली कटौती की जा रही है। उन्होंने अधिकारियों की जिम्मेदारी तय कर बिजली कटौती होने पर कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

भगवान कार्तिक स्वामी मंदिर में भव्य 108 बालमपुरी शंख की होगी पूजा व हवन

जयन्त प्रतिनिधि।

रूद्रप्रयाग : उत्तराखंड पर्यटन विकास परिषद एवं जिला प्रशासन एवं मंदिर समिति के संयुक्त तत्वावधान में जनपद के क्रौंच पर्वत में स्थित कार्तिकेय स्वामी मंदिर में 15 मई, 2024 को भव्य 108 बालमपुरी शंख पूजा व हवन कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। इस कार्यक्रम को दिव्यता एवं भव्यता के साथ आयोजित करने के लिए की जाने वाली तैयारियों एवं व्यवस्थाओं का जिलाधिकारी सौरभ गहरवार ने खडपतिया हैलीपैड़ से लेकर क्रौंच पर्वत में अवस्थित भगवान कार्तिकेय स्वामी मंदिर तक की जानी वाली तैयारियों एवं व्यवस्थाओं के संबंध में पैदल निरीक्षण कर संबंधित अधिकारियों को समय से आवश्यक व्यवस्थाएं एवं तैयारियां सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही पुलिस अधीक्षक को मंदिर परिसर एवं पैदल मार्ग में सुरक्षा व्यवस्था के लिए भी उचित प्रबंधन करने को कहा। जिलाधिकारी ने अधिशासी अभियंता लोनिवि एवं जिला पर्यटन अधिकारी को निर्देश दिए हैं कि 15 मई को भगवान कार्तिकेय स्वामी में आयोजित होने वाले भव्य 108 बालमपुरी शंख पूजा व हवन कार्यक्रम के लिए सभी व्यवस्थाएं समय से कर लें। उन्होंने कहा कि मंदिर एवं मंदिर परिसर को फूलों एवं लाइटिंग के माध्यम से दिव्य एवं भव्यता के साथ सजाया जाए तथा आने वाले श्रद्धालुओं एवं मुख्य अतिथियों के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित कर ली जाए। उन्होंने लोनिवि को निर्देश दिए हैं कि खडपतिया से लेकर कार्तिकेय स्वामी मंदिर तक आने वाले श्रद्धालुओं के लिए चैक प्वाइंट तैयार करते हुए उनमें पेयजल एवं शीतल पदार्थ भी पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। इसके साथ ही उन्होंने मंदिर पैदल मार्ग में अस्थाई शौचालय की व्यवस्था कराने के निर्देश दिए। उन्होंने मंदिर परिसर में विद्युत आपूर्ति हेतु 5 किलोवाट के जनरेटर एवं इंवटर की व्यवस्था करने, रास्ते में पोलों पर विद्युत लाइट लगाने के भी निर्देश दिए। उन्होंने मुख्य विकास अधिकारी को निर्देश दिए कि उरेड़ा के माध्यम से सोलर लाइट की व्यवस्था कराने के भी निर्देश दिए। उन्होंने लोनिवि को निर्देश दिए हैं कि मंदिर समिति के जो भी धर्मशालाएं बनी हैं उनमें जो भी मरम्मत कार्य किए जाने हैं उस कार्य को तत्परता से करें एवं रंगाई पुताई करते हुए उनमें ऐंपण के माध्यम से पेंटिंग की जाए। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक डॉ. विशाखा अशोक भदाणे, मुख्य विकास अधिकारी जीएस खाती, मुख्य शिक्षा अधिकारी प्रमेंद्र सिंह बिष्ट, जिला पर्यटन विकास अधिकारी राहुल चैबे, अधिशासी अभियंता लोनिवि इंद्रजीत बोस, तहसीलदार प्रदीप नेगी, सहायक अभियंता लोनिवि अरविंद सतवारिया, जिला शिक्षा अधिकारी यशवंत सिंह चैहान, मंदिर समिति के अध्यक्ष शत्रुघ्न नेगी, विक्रम सिंह नेगी, मोहित मल्ली सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

खिलाड़ी देश व प्रदेश का नाम करें रोशन : धामी

सीएम ने सब जूनियर बॉयज एंड गर्ल्स नेशनल रोल बाल चौंपियनशिप में किया प्रतिभाग

जयन्त प्रतिनिधि।

देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शनिवार को परेड ग्राउंड के बहुउद्देशीय हॉल में रोल बाल फेडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित 16वीं सब जूनियर (अंडर-14) बॉयज एंड गर्ल्स नेशनल रोल बाल चौंपियनशिप में प्रतिभाग करते हुये खिलाड़ियों का उत्साहवर्द्धन किया।

मुख्यमंत्री ने इस मौके पर उत्तराखंड और हिमाचल के बीच आयोजित मैच का आनंद लिया। मुख्यमंत्री ने इससे पहले सभी खिलाड़ियों का परिचय लिया तथा खेल के क्षेत्र में देश व प्रदेश का नाम रोशन करने का आह्वान किया। उल्लेखनीय है कि 25 से 28 अप्रैल, 2024 तक आयोजित राष्ट्रीय स्तर की इस सब जूनियर (अंडर-14) बॉयज एंड गर्ल्स नेशनल रोल बाल चौंपियनशिप में देशभर की 28 टीमें भाग ले रही हैं। इस अवसर पर नेशनल रोल बाल चौंपियनशिप के प्रेजिडेंट पंकज भारद्वाज, सेकेट्री चिरतानजी नेगी, अमित भाटिया, आशीष नेगी, डॉ. वरुण प्रताप सिंह, प्रियांक शर्मा, प्रमोद कुमार सहित बड़ी संख्या में खेल प्रेमी मौजूद रहे।

यात्रा की तैयारियों में जुटा जिला प्रशासन

जयन्त प्रतिनिधि।

रूद्रप्रयाग : 10 मई, 2024 से शुरू हो रही श्री केदारनाथ धाम की यात्रा को सुगम एवं सुव्यवस्थित ढंग से संचालित करने, आने वाले तीर्थ यात्रियों को सभी आवश्यक मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध हों, इसके लिए जिलाधिकारी सौरभ गहरवार के निर्देशन में संबंधित विभागों द्वारा अपनी-अपनी तैयारियां एवं व्यवस्थाएं त्वरित गति से की जा रही हैं।

अधिशासी अभियंता डीडीएमए विनय झिंक्वाण ने बताया कि श्री केदारनाथ धाम की यात्रा को सुव्यवस्थित ढंग से संचालित करने के लिए जिलाधिकारी के निर्देशन में सोनप्रयाग में यात्रियों की सुरक्षा एवं सुविधा के दृष्टिगत डीडीएमए द्वारा बैरिकेटिंग व पेंटिंग का कार्य त्वरित गति से किया जा रहा है। इसके साथ ही यात्रा मार्ग में जिन स्थानों पर यात्रा मार्ग ऊबड़-खाबड़ हो गया है उनमें पेंचवर्क का कार्य किया जा रहा है तथा संवेदनशील क्षेत्रों में बर्फवारी के कारण जिन स्थानों में रैलिंग क्षतिग्रस्त हुई हैं उन स्थानों में यात्रियों की सुरक्षा के दृष्टिगत रैलिंग का कार्य किया जा रहा है। साथ ही जिन स्थानों पर यात्रा मार्ग क्षतिग्रस्त हुए हैं उन स्थानों पर दीवार लगाने का कार्य भी त्वरित गति से किया जा रहा है। जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी नंदन सिंह रजवार ने बताया कि केदारनाथ धाम से गौरीकुंड यात्रा मार्ग तक डीडीआरएफ, वाईएमएफ, म्यूल टास्क फोर्स एवं सुलभ इंटरनेशल के पर्यावरण मित्रों द्वारा यात्रा मार्ग एवं केदारनाथ धाम में विषम कठिन परिस्थितियों में विशेष स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है।

मंगलौर में रंजिश के चलते युवक से की मारपीट

रुड़की। रंजिश के चलते एक युवक को मारपीट कर घायल किया गया। आरोप है कि उसे जाति सूचक शब्दों का प्रयोग कर अपमानित भी किया गया। पीड़ित द्वारा घटना के संबंध में पुलिस को तहरीर दी गई। लेकिन मुकदमा दर्ज नहीं हुआ तो पीड़ित ने कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। जिसके बाद कोर्ट के आदेश पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ दलित उत्पीड़न व अन्य धाराओं में मुकदमा दर्जकर कार्यवाही शुरू की है। कोतवाली क्षेत्र के गांव नगला चीना निवासी रोबिन ने कोर्ट में प्रार्थना पत्र प्रस्तुत कर बताया कि गांव का एक युवक उससे रंजिश रखता है। पीड़ित का आरोप है कि 14 सितंबर 2023 को शाम के समय वह साइकिल से गांव में किसी कार्य से जा रहा था। रास्ते में स्कूल के निकट आरोपी ने उसे रोक लिया तथा उसके साथ मारपीट कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया।

पीड़ित ने जब उसका विरोध किया तो आरोपी ने उसे जाति सूचक शब्दों का प्रयोग करते हुए अपमानित किया। उसे जान से मारने की धमकी दी। पुलिस को आरोपी के खिलाफ तहरीर दी गई। लेकिन कई दिनों तक कोतवाली के चक्कर काटने के बाद भी उसका मुकदमा दर्ज नहीं हुआ। जिसके बाद कोर्ट में प्रार्थना पत्र दाखिल किया।

बिजली के बढ़े दामों को वापस लेने की मांग

रुड़की। सरकार द्वारा बढ़ाए गए बिजली के दामों को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं और किसानों ने विरोध किया है। कांग्रेस के प्रदेश महामंत्री विकास त्यागी, शोभाराम, कांग्रेस सेवादल प्रदेश सचिव सुलेमान मलिक, जयवीर सिंह ने कहा कि उत्तराखंड में लोकसभा चुनाव संपन्न होते ही भाजपा सरकार द्वारा बिजली के दामों में वृद्धि कर आम जनता की कमर तोड़ने का काम किया गया है। उन्होंने कहा महंगाई पहले से ही आसमान छू रही है। अब विद्युत दाम बढ़ाकर जनता को ठगने का काम किया गया है। किसान नेता चौधरी कटार सिंह, विकास सैनी, विजय शाखी, यशवीर सिंह, शमशाद आदि का कहना है कि भाजपा सरकार द्वारा बिजली के दाम बढ़ाकर जले पर नमक छिड़कने का काम किया है। कहा कि खाद ,उर्वरक, कीटनाशक दवाइयां के दामों में बेतहाशा वृद्धि होने से खेती करना दूभर हो गया है। बढ़ती मंहगाई की वजह से खेती किसानों के बस से बाहर हो गई है।

गंगा एवं सहायक नदियों को साफ स्वच्छ रखने को लेकर की चर्चा

जयन्त प्रतिनिधि।

चमोली : मुख्य विकास अधिकारी अभिनव शाह ने शनिवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिला गंगा संरक्षण समिति की बैठक ली। बैठक में नमामि गंगे कार्यक्रम के अन्तर्गत जनपद में क्रियान्वित परियोजनाओं, सभी निकायों के ठोस अपशिष्ट प्रबंधन तथा गंगा एवं इसकी सहायक नदियों को साफ स्वच्छ रखने को लेकर चर्चा की गयी।

मुख्य विकास अधिकारी ने सीवरेज शोधन सयंत्रों के कार्य प्रदर्शन की नियमित निगरानी हेतु जल निगम एवं जल संस्थान को समिति गठित करने के निर्देश दिए। वहीं प्रोजेक्ट मैनेजर पेयजल निगम को अवशेष इन चारों एसटीपी का सेफ्टी ऑडिट कराते हुए जल संस्थान को हैंडओवर कराने के निर्देश दिए। साथ ही राजकीय निर्माण निगम को मिनी औद्योगिक संस्थान कालेश्वर में निर्मित ईटीपी को शीघ्र चालू कराने के निर्देश दिए। पर्यटन विभाग को देवलीबगड राफ्टिंग स्पॉट का प्रचार प्रसार करने तथा 20 से अधिक कक्ष वाले होटलों को चिन्हित कर एसटीपी लगवाने की कार्यवाही कराने को कहा। उपप्रभागीय वनाधिकारी जुगल किशोर ने बताया कि नमामि गंगे कार्यक्रम के अन्तर्गत जनपद में निर्मित 16 एसटीपी में से 12 एसटीपी जल संस्थान को हस्तगत कर दिए गए हैं। अवशेष 4 एसटीपी जिसमें तीन एसटीपी कर्णप्रयाग व एक मारवाडी जोशीमठ में कार्य प्रगति पर है।

उन्होंने बताया कि नेचुरल लैण्डस्केप मद के अंतर्गत 379 हैक्टेयर क्षेत्र में विभिन्न प्रजाति के 3.8 लाख पौध का रोपण किया गया है वहीं थराली कोटगढ़ी तोक एवं बामणी वन पंचायत में 01-01 गंगा वाटिका का निर्माण किया गया है। इस दौरान जल संस्थान के एसई एसके जैन, एसीएमओ एमएस खाती सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी व नगर निकायों के ईओ वर्चअल माध्यम से उपस्थित रहे।

पात्रों को दिलाएं योजनाओं का लाभ

नई टिहरी : सीडीओ अभिषेक त्रिपाठी ने विकास भवन सभागार में ग्राम्य विकास विभाग की संचालित योजनाओं और कार्यक्रमों की समीक्षा बैठक ली। बैठक में सीडीओ ने सभी खण्ड विकास अधिकारियों को निर्देश दिए कि ग्राम्य विकास की योजनाओं और कार्यक्रमों का संचालन विकास खण्डों में उचित प्रकार से करते हुए पात्र लाभार्थियों को समयान्तर्गत लाभान्वित करें। कहा कि उद्यमशील कृषकों एवं ग्रामीण लोगों को स्वरोजगार तथा नये उद्यमों को सृजन के लिए प्रेरित कर सरकार के चलाए जा रहे कार्यक्रमों से जोड़कर उन्हें लाभान्वित करें। सीडीओ ने विकास खण्डों के अन्तर्गत चल रही योजनाओं तथा कार्यदायी विभागों को निर्देश दिए कि योजनाओं व निर्माण कार्यों को नियमानुसार गुणवतापूर्वक निर्धारित समय के अन्तर्गत पूर्ण करें। बैठक में परियोजना निदेशक जिला ग्राम्य विकास अभिकरण, सभी बीडीओ, मनरेगा कर्मी, बीएनएम आदि विभागीय अधिकारी-कर्मचारियों में पीडी डीआरडीए विवेक उपाध्याय, बीडीओ नन्द किशोर, श्रुति वत्स, शाकिर हुसैन, विरेन्द्र कठैत, सोहन लाल आदि मौजूद रहे। (एजेंसी)

रुड़की में बूंदाबांदी से तापमान गिरा

रुड़की। रुड़की समेत आसपास के इलाकों में बादल छाने के साथ ही बूंदाबांदी हुई। बूंदाबांदी होने से अधिकतम तापमान 39.5 डिग्री से घटकर 35.5 डिग्री तक पहुंच गया। तापमान घटने से लोगों को गर्मी से मामूली राहत मिली। हालांकि दोपहर के समय उमसभरी गर्मी ने लोगों को परेशान भी किया।

शुक्रवार देर रात से ही मौसम खराब होने लगा था। आंधी-तूफान के साथ ही बूंदाबांदी शुरू हो गई थी। शनिवार सुबह मौसम बढ़िया हो गया था। चटख धूप खिली हुई थी। सुबह करीब साढ़े नौ बजे के आसपास आसमान में बादल छाने लगे थे। इसके बाद दिन में कई बार बूंदाबांदी हुई। तेज धूप भी निकली। इस दौरान बीच-बीच में बिजली भी गुल रही।

फॉनिक्स में दो दिवसीय वार्षिकोत्सव में छात्रों का धमाल

रुड़की। फॉनिक्स ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन में दो दिवसीय वार्षिकोत्सव ओरा-24 एवं ओरा बुगी मंच का भव्य आयोजन किया गया। जिसका शुभारम्भ मुख्य अतिथि कैबिनेट मंत्री प्रेमचन्द अग्रवाल, रुड़की विधायक प्रदीप बत्रा, संस्थापक साधुराम जैन, चेयरमेन कमल कुमार जैन आदि ने संयुक्त रूप से किया। मुख्य अतिथि कैबिनेट मंत्री प्रेमचन्द अग्रवाल ने कहा कि इमलीखेड़ा पहले से ही व्यापारिक केन्द्र रहा है। लेकिन उच्च शिक्षा के लिए छात्रों को बाहर जाना पडता था। क्षेत्र में फॉनिक्स की स्थापना होने से छात्र-छात्राओं को बेहतर अवसर मिल रहे हैं। विधायक प्रदीप बत्रा ने संस्थान की प्रशंसा कर ओरा शब्द का व्याख्या किया। प्रबंध निदेशक चैरब जैन ने कहा कि आस पास के छात्रा छात्राओं की कला को प्रदर्शन के लिए उचित मंच प्रदान करना ही संस्थान की प्राथमिकता है। इस दौरान संस्थान के सर्वश्रेष्ठ शिक्षक का पुरस्कार डॉ. विनेश शर्मा, सर्वश्रेष्ठ गैर शैक्षणिक कर्मचारी का पुरस्कार आशीष शर्मा को दिया गया। कार्यक्रम में विभिन्न प्रतियोंगिताओं का आयोजन किया गया। जिसमें निर्णायकों की भूमिका अंशु पुरी एवं सतीश ओलिवर ने निभाई। मंच संचालक डॉ. प्रगति शर्मा,अंजलि, हिमानी, मुख्य सलाहकार डॉ. केके गौतम, निदेशक डॉ. भुवनेन्द्र चौधरी, कुलसचिव अमित गौतम आदि मौजूद रहें। ट्रस्टी पारूल जैन, प्रबंध निदेशक चैरब जैन, महासचिव मेघा जैन, डायरेक्ट्रर जनरल संजय आदि उपस्थित रहे।

जयन्त
संस्थापक
स्व.नरेन्द्र उनियाल
प्रकाशक,मुद्रक और स्वामी
नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस से मुद्रित तथा बद्रीनाथ मार्ग कोटद्वार (गढ़वाल) से प्रकाशित
—सम्पादक
नागेन्द्र उनियाल
आर.एन.आई. 35469/79
फोन/फैक्स 01382-222383
मो. 8445596074, 9412081969
e-mail:
nagendra.uniyal@gmail.com